बालाघाट म.प्र. से प्रकाशित एवं बालाघाट, सिवनी (म.प्र.) एवं गोंदिया भंडारा (महा.) मे एक साथ प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 02 जून 2026 | दिन - मंगलवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 125 | मूल्य - 5 रुपये

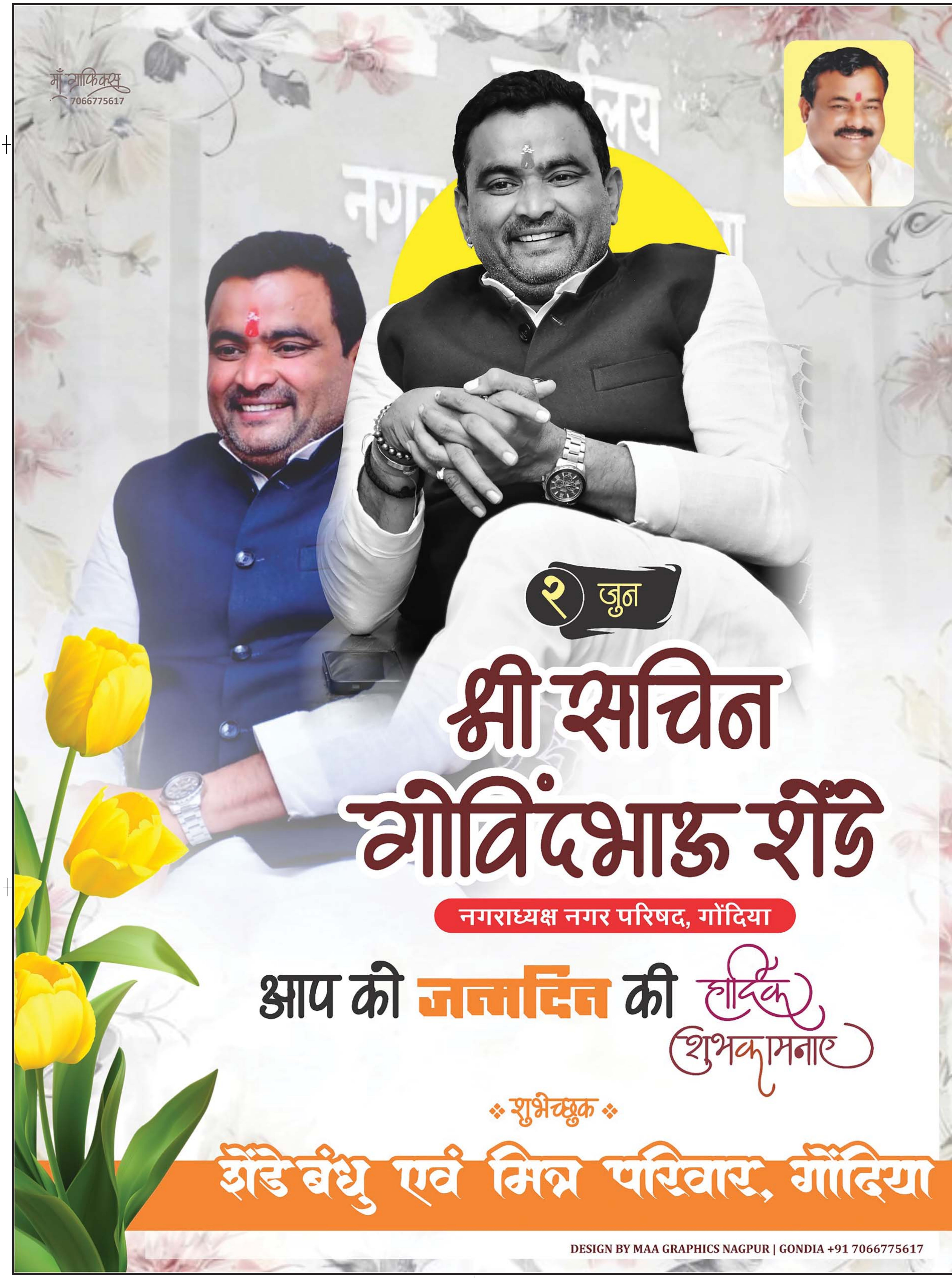

जग प्रेरणा
जिला सिवनी
● अरी ● गंगेरुआ ● बरघाट ● लखनादौन ● छपारा ● केवलारी

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

हसीब मोहम्मद सिवनी
मो. 7898530101

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - 9329033433

नगर पालिका अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोडिया जी की अध्यक्षता में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में निकाय स्तर समिति की बैठक संपन्न हुई

जगप्रेरणा सिवनी।

विगत दिवस नगर पालिका अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोडिया जी की अध्यक्षता में नगर पालिका परिषद सिवनी में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में निकाय स्तर समिति की बैठक संपन्न हुई।

जिसमें शहर की स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए प्लान तैयार किया गया एवं शहर में बेतहरीन सफाई व्यवस्था बनाने के संबंध में चर्चा की गई। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोडिया जी एवं समिति के सदस्य सीएमओ श्री विशाल सिंह मस्कोले, सदस्य सचिव उपयंत्री श्री ऋषिकेश शर्मा, व्यापारी संघ अध्यक्ष श्री गौरीशंकर शर्मा, एवं सब्जी मंडी संघ अध्यक्ष श्री दौलतराम सेवलानी, निकाय के पार्षदगण समिति के सदस्य श्री रविशंकर गुड्डा भांगरे, श्रीमति निधि मोंटू दुबे, श्रीमति राजश्री संदेश बास्सा, श्री सुहेल पाशा, श्रीमति जीतू तरूण श्रीवास धार्मिक संगठन के धर्मगुरू श्री आशीष तिवारी, श्री अनीस खान (शहर काजी) पास्टर श्री जेम्स मसीह, श्री ज्ञानी जी को समिति का सदस्य बनाया गया है। उक्त बैठक में निकाय सहायक यंत्री श्रीमति देवेश्वरी धुर्वे सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे। बैठक के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोडिया जी के द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था पर स्वच्छता प्रभारी श्री राज पवमे, पर्यवेक्षक श्री सुशांत पांडे एवं अभय बघेल एवं संबंधित अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा गया कि शहर की सफाई व्यवस्था बहुत लचर है, सफाई व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिये गये।

विदित होवे कि नगर पालिका अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोडिया जी की अध्यक्षता प्रतिमाह बैठक आहूत की जावेगी जिसमें शहर की सफाई व्यवस्था व्यवस्था का फीडबैक लिया जावेगा एवं समिति के सदस्यों के निर्देशन एवं निगरानी में सफाई कार्य को और अधिक सुदृढ किया जावेगा।

प्रभारी कलेक्टर श्री राठौर की अध्यक्षता में समय-सीमा बैठक आयोजित..

जगप्रेरणा सिवनी।

सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रभारी कलेक्टर श्री अनिल कुमार राठौर की अध्यक्षता में समय-सीमा बैठक आयोजित हुई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह, अपर

कलेक्टर सुश्री सुनीता खंडायत, अपर कलेक्टर श्री सी एल चनाप सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में प्रभारी कलेक्टर श्री राठौर ने सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की विभागवार विस्तृत समीक्षा करते हुए 50 दिवस एवं 100 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों को नियमानुसार त्वरित कार्यवाही करते हुए प्राथमिकता से बंद कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। प्रभारी कलेक्टर श्री राठौर ने गेहूं उपार्जन कार्य की समीक्षा की। उन्होंने बारिश मौसम की संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए सभी अनुविभागीय अधिकारियों एवं उपार्जन कार्य से जुड़े अधिकारियों को उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर केंद्रों के प्रांगण में रखी उपार्जित गेंहू का अतिरिक्त वाहन लगाकर त्वरित उठाव कर सुरक्षित भंडार कराने के निर्देश दिए। इसी तरह उन्होंने कृषि संबंधी अधिकारियों से जिले में उपलब्ध खाद बीज की जानकारी प्राप्त कर सभी पात्र कृषकों को नियमानुसार सुव्यवस्थित खाद बीज वितरण कराने के निर्देश दिए।

प्रभारी कलेक्टर श्री राठौर ने नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों की पेयजल वितरण स्थिति की समीक्षा कर सुचारू रूप से पेयजल आपूर्ति कराने एवं समस्याग्रस्त क्षेत्रों में त्वरित वैकल्पिक कार्यवाही करते समस्या का निराकरण के निर्देश सभी सीएमओ एवं संबंधित अधिकारियों को दिए। इसी तरह उन्होंने नगरीय क्षेत्रों के जर्जर भवनों, स्कूल, आंगनबाड़ी सहित अन्य विभागीय भवनों का चिन्हांकन कर डिस्मेंटल कराने के निर्देश दिए। प्रभारी कलेक्टर श्री राठौर ने शासकीय निर्माणाधीन भवनों, सड़कों, पुल पुलिया निर्माण कार्यों की समीक्षा की, उन्होंने विषेशकर बारिश मौसम को दृष्टिगत रखते हुए सड़कों एवं पुल पुलिया के शेष रहे निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसी तरह उन्होंने सभी सीएमओ को नगरीय क्षेत्रों के नाले नालियों की साफ सफाई कराने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रभारी कलेक्टर श्री राठौर ने माननीय उच्च न्यायालय में लंबित अवमानना प्रकरणों की समीक्षा कर प्रकरणों पर उचित प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसी तरह उन्होंने नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन सहित जनसुनवाई के लंबित प्रकरणों तथा लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत अधिसूचित सेवाओं के आवेदनों की अनुभागवर समीक्षा कर समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अधिसूचित सेवाओं का कोई भी आवेदन समय सीमा से बाह्य न हो। बैठक में प्रभारी कलेक्टर श्री राठौर ने नवीन शैक्षणिक सत्र में नवीन नामांकन स्थिति, छात्रावास आश्रमों में व्यवस्थाओं, लाड़ली लक्ष्मी योजना, मातृ वंदना योजना लक्ष्य पूर्ति सहित अन्य विभागीय योजनाओं कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस एवं समर कैंप का हुआ समापन..

जगप्रेरणा सिवनी।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण संचालनालय, मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व तंबाकू निषेध दिवस का आयोजन जिला प्रशासन सिवनी के मार्गदर्शन में किया गया।

कलेक्टर श्री अनिल कुमार राठौर के निर्देशन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संयुक्त रूप से जिला हॉकी (टर्फ) मैदान, सिवनी में विश्व तंबाकू निषेध दिवस एवं समर कैंप समापन समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विधायक श्री दिनेश राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपर कलेक्टर श्री सी.एल. चिनाप एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री दीपक मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत विधायक श्री दिनेश राय 'मुनमुन' द्वारा हस्ताक्षर अभियान में सहभागिता करते हुए की गई। उन्होंने उपस्थित बच्चों, युवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई तथा सिवनी जिले को नशामुक्त बनाने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर नशामुक्ति विषयक आयोजित क्विज प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

हॉकी टर्फ मैदान में स्थापित सेल्फी प्वाइंट पर विधायक श्री राय ने स्वयं सेल्फी लेकर लोगों को तंबाकू एवं नशे से दूर रहने का संदेश दिया। उपस्थित नागरिकों, युवाओं एवं खिलाड़ियों ने भी सेल्फी अभियान में भाग लेते हुए स्वयं नशामुक्त रहने तथा दूसरों को भी नशामुक्ति के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग श्री संदीप परते ने बताया कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर युवाओं, छात्र-छात्राओं एवं आमजन में तंबाकू एवं धूम्रपान सेवन की बढ़ती प्रवृत्ति को रोकने तथा जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत शासकीय नर्सिंग कॉलेज परिसर में जागरूकता रैली तथा ब्रह्माकुमारी संस्थान में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम में जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ की जिला नोडल अधिकारी, समर कैंप के खिलाड़ी एवं उनके अभिभावक, खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से तंबाकू एवं नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया।

कक्षा 5 वीं एवं 8 वीं की पुनः परीक्षा अब 16 से 23 जून 2026 तक आयोजित होगी

जगप्रेरणा सिवनी।

जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केंद्र सिवनी द्वारा जानकारी देकर बताया गया कि राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल द्वारा कक्षा 5वीं एवं 8वीं की पुनः परीक्षा सत्र 2025-26 हेतु संशोधित समय सारणी जारी की गई है।

उन्होंने बताया कि पूर्व में यह परीक्षा 01 जून से 06 जून 2026 तक आयोजित की जानी थी, किन्तु राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल के पत्र क्रमांक 182 दिनांक 26.05.2026 के अनुसार अब पुनः परीक्षा का आयोजन दिनांक 16 जून 2026 से 23 जून 2026 तक किया जाएगा। जिले की समस्त शासकीय, मान्यता प्राप्त अशासकीय, अनुदान प्राप्त शालाओं एवं मदरसों में अध्ययनरत पात्र विद्यार्थियों की परीक्षा निर्धारित समय सारणी के अनुसार प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित होगी।

राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल द्वारा जारी निर्देशों का परीक्षा संचालन के दौरान कड़ाई से पालन किया जाएगा। सभी पात्र विद्यार्थियों को पुनः परीक्षा में सम्मिलित कराना संबंधित संस्था प्रमुख एवं शिक्षकों की जिम्मेदारी होगी। साथ ही परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र तक पहुंचाने का दायित्व भी संबंधित संस्था प्रमुख एवं शिक्षकों का रहेगा। पुनः परीक्षा हेतु परीक्षा केन्द्र केवल जनशिक्षा केन्द्र स्तर पर निर्धारित किए गए हैं। विगत वर्ष की भांति निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर ऑन-द-स्पॉट प्रिंटिंग प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इस संबंध में परीक्षा पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने की संपूर्ण जिम्मेदारी जनशिक्षा केन्द्र प्रभारियों को सौंपी गई है।

परीक्षा केन्द्रों पर विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शीतल पेयजल तथा आवश्यकता अनुसार पंखे एवं कूलर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। उक्त संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जिला परियोजना समन्वयक, जिला शिक्षा केन्द्र सिवनी द्वारा समस्त संबंधितों को जारी कर दिए गए हैं।

राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान गायन से हुई माह के प्रथम कार्य दिवस की शुरुआत..

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले में माह के प्रथम कार्य दिवस पर कलेक्ट्रेट सभागार, सिवनी में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' एवं राष्ट्रगान 'जन गण मन' का सामूहिक गायन कर कार्य दिवस की शुरुआत की गई।

आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी कलेक्टर श्री अनिल कुमार राठौर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह, अपर कलेक्टर श्री सी.एल. चनाप, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ तथा इसके उपरांत अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन प्रारंभ किया।

मानवाधिकार आयोग सदस्य श्री प्रियंक कानूनगो का दौरा घंसौर में आज..

जगप्रेरणा सिवनी।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नई दिल्ली सदस्य श्री प्रियंक कानूनगो प्राप्त अधिकृत कार्यक्रमानुसार 02 जून 2026 को प्रातः 11:30 बजे घंसौर पहुंचेंगे।

घंसौर में सदस्य श्री कानूनगो द्वारा मानवाधिकार एवं समावेशी विकास से संबंधित प्रमुख विषयों के क्रियान्वयन की स्थिति तथा जमीनी वास्तविकताओं की व्यापक समीक्षा की जाएगी। समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं जनहित से जुड़े विषयों पर चर्चा की जाएगी। बैठक उपरांत आयोग सदस्य श्री कानूनगो स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों से भी संवाद करेंगे। कार्यक्रम उपरांत वे नरसिंहपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

दैनिक जगप्रेरणा मे समाचार एवं विज्ञापनो के लिये संपर्क करे मो. 9329033433

गंगा दशहरा पर सनेर नदी उद्गम स्थल पर हुआ जल संरक्षण कार्यक्रम

जगप्रेरणा लखनादौन।

गंगा दशहरा के अवसर पर जन अभियान परिषद के तत्वावधान में ग्राम पंचायत उकार पार स्थित सनेर नदी उद्गम स्थल पर जल संरक्षण एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम जिला समन्वयक श्री सौरभ शुक्ला के निर्देशन एवं विकासखंड समन्वयक श्रीमती रीता वर्मा श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में विकासखंड लखनादौन के सेक्टर धनककड़ी की प्रस्फुटन समितियों एवं नवांकुर संस्था चेतना संदेश समिति के सदस्यों ने सहभागिता की। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मालती ऊईके, उपाध्यक्ष श्री दीपक निगम, जनपद अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी महेंद्र लाडिया, सचिव श्री सुरेश उईके सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में जल स्रोत तक कलश यात्रा निकाली गई।

इसके पश्चात सनेर नदी उद्गम स्थल पर विधिवत पूजन-अर्चन किया गया तथा सोखता गड्ढा निर्माण कर श्रमदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्री सुरेंद्र डेहरिया ने उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। साथ ही माँ गंगा पर आधारित गीतों की प्रस्तुति भी दी गई।

संवाद कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि राजा भगीरथ के प्रयासों से माँ गंगा पृथ्वी पर आई थीं और वर्तमान समय में निरंतर घटते भू-जल स्तर को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को 'भगीरथ' बनकर जल संरक्षण के लिए कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधि, सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, पंचगण, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य, परामर्शदाता अनिल यादव एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

क्षय मरीजों को जिला रेडक्रास समिति ने वितरित की निक्षय पोषण किट और प्रोटीन

सेवा दिवस के अवसर पर हुआ आयोजन..

जगप्रेरणा सिवनी।

विश्व स्वास्थ्य और जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता निभाते हुए जिला रेडक्रास सोसायटी शाखा सिवनी ने रविवार 01 जून को जिला चिकित्सालय सिवनी में क्षय (टीबी) रोगियों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया।

रेडक्रास सोसायटी मध्यप्रदेश राज्य शाखा भोपाल के निर्देशानुसार आयोजित सेवा दिवस के अवसर पर क्षय रोगियों को एक-एक निक्षय पोषण किट एवं प्रोटीन सप्लीमेंट वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित मरीजों एवं उनके परिजनों को टीबी रोग से बचाव, उपचार के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों तथा पोषण के महत्व के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि नियमित दवा सेवन और संतुलित आहार से क्षय रोग पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

आयोजन के संबंध में जिला प्रबंध समिति सदस्य सूर्यप्रकाश विश्वकर्मा ने बताया कि निक्षय पोषण किट वितरण कार्यक्रम में जिला रेडक्रास सोसायटी के कोषाध्यक्ष डॉ. प्रतीक अवस्थी ने जिला चिकित्सालय परिसर में संचालित प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की जानकारी देते हुए बताया कि यहां गुणवत्तापूर्ण दवाइयां और सर्जिकल सामग्री बाजार मूल्य की तुलना में काफी कम कीमत पर उपलब्ध हैं। उन्होंने मरीजों से जन औषधि केंद्र का लाभ उठाकर अपने उपचार का आर्थिक बोझ कम करने की अपील की। कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय के क्षय रोग विभाग से डॉ. जयज काकोड़िया, श्री एस.के. मुंजे, श्री बृजेंद्र पांडे, श्री सुनील धुर्वे, श्री सुशील साहू, श्री गुलेंद्र परते, श्री तीरथ नागौत्रा एवं श्रीमती मधु बघेल उपस्थित रहीं। सभी ने क्षय रोगियों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए उन्हें नियमित उपचार एवं पौष्टिक आहार अपनाने के लिए प्रेरित किया। रेडक्रास एवं जिला चिकित्सालय की इस पहल को मरीजों और उनके परिजनों ने सराहा तथा इसे क्षय रोग उन्मूलन की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास बताया।

न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डॉ. आमिर अंसारी
MBBS, MS (Gen. Surgery), FMAS, FISCP

डॉ. समरीन आमिर अंसारी
MBBS, DGO (KEM, Mumbai), FMAS

मिलने का समय
सुबह 10 से दोप. 1 बजे, शाम 4 से 7 बजे तक

विशेषज्ञ चिकित्सक सहित सुविधाएं उपलब्ध

पता- बड़ी ज्यारत डाल्डा फेक्ट्री रोड अकबर वार्ड सिवनी
मो.- 8817448039

जग प्रेरणा

शहर बालाघाट

● गर्रा ● भटेरा ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोगलई

मंगलवार 02 जून 2026

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

मनोज सचदेव
मो. 94258-22975

जिले की किसी भी सोसायटी में उर्वरक की कमी न होने दें - कलेक्टर मृणाल मीना

टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा कर विभागीय अधिकारियों को दिये कलेक्टर मीना ने दिशा निर्देश..

जगप्रेरणा बालाघाट।

01 जून को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने विभिन्न विभागों के समय-सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री जी.एस. धुर्वे, श्री डी.पी. बर्मन, संयुक्त कलेक्टर श्री राहुल नायक, श्री मायाराम कोल, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रदीप कौरव, एसडीएम श्री गोपाल सोनी एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित रहे।

बैठक में जिला विपणन अधिकारी एवं उपसंचालक कृषि को निर्देशित किया गया कि किसानों के लिए जिले में उर्वरक की सतत आपूर्ति सुनिश्चित करें। किसानों की आवश्यकता के अनुसार उर्वरक की आपूर्ति के लिए उच्च स्तर पर सम्पर्क कर जिले में मालगाडी के रेक लाने का कार्यक्रम निर्धारित करें। जिले की किसी भी सोसायटी में उर्वरक की कमी न होने दे। किसानों को ई-टोकन के माध्यम से ही उर्वरक का वितरण किया जाए।

कान्हा बफर जोन में आवारा कुत्तों के टीकाकरण पर जोर..

उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएँ को निर्देशित किया गया कि कान्हा टाईगर रिजर्व के बफर जोन में आवारा कुत्तों का टीकाकरण कार्य प्राथमिकता से और निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराए, जिससे टाईगर रिजर्व के बाघों में संक्रामक बीमारी न फैल सकें। मुख्य नगर पालिका अधिकारी बालाघाट को आवारा कुत्तों के बधियाकरण एवं देवी तालाब की साफ सफाई का कार्य तत्परता के साथ कराने के निर्देश दिये गए।

बैगा उत्थान और धरती आबा अभियान की समीक्षा

जनजातीय कार्य विभाग द्वारा विशेष पिछडी जनजाति बैगा के उत्थान एवं धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के चिन्हित ग्रामों में चलाये गए सबसे दूर सबसे पहले अभियान की समीक्षा की गई। इस अभियान में प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण करने और पात्र लोगो को योजनाओं का लाभ दिलाने निर्देश दिये गए। वन अधिकार पट्टा प्राप्त करने वालों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, बीज वितरण योजना एवं अन्य सभी योजनाओं का लाभ दिलाने कहा गया।

गेहूं उपार्जन और किसानों के भुगतान की स्थिति

समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में किसानों से 22 करोड रुपए का गेहूँ समर्थन मूल्य पर खरीदा गया है। इसमें से 21 करोड 17 लाख रुपए का भुगतान किसानों को कर दिया गया है। जिन किसानों का धान का भुगतान लंबित था, वह भी किसानों को भुगतान कर दिया गया है। जिले के किसानों का धान का 01 करोड 30 लाख रुपए का भुगतान शेष था, अब यह राशि किसानों के खाते में पहुंच गई है।

पेट्रोल पंपों पर सख्ती के निर्देश, बिना नंबर के वाहनों को नही मिलेगा डीजल, पेट्रोल

कलेक्टर श्री मीना ने जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले के किसी भी पेट्रोल पंप पर बिना नंबर की गाडी या वाहन को डीजल-पेट्रोल का प्रदाय न किया जाए। इसी प्रकार पेट्रोल पंप से प्लास्टिक की बॉटल या केन आदि में डीजल-पेट्रोल का प्रदाय नही होना चाहिए। यदि किसी पंप संचालक द्वारा इसका पालन नही किया जाता है तो उसके विरूद्ध सख्त कार्यवाही करें। किसानों को ट्रेक्टर आदि के लिए डीजल ड्रम लेकर आने पर ही दिया जाएगा। जिन किसानों को अपने कृषि कार्यों के लिए डीजल की आवश्यकता होगी तो उन्हें ड्रम लेकर ही पंप पर जाना होगा। कृषि कार्यों में उपयोग होने वाले ट्रेक्टर का आरटीओ में पंजीयन या नंबर होने पर ही उन्हें डीजल दिया जाएगा।

आंगनवाड़ी शौचालय और स्वास्थ्य योजनाओं पर फोकस

महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को आंगनवाडी केंद्रो में स्वीकृत शौचालय के कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिये गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया कि ड्रग इंस्पेक्टर विश्वकर्मा की वेतन वृद्धि रोकने की कार्यवाही करें। इसके साथ ही उन्हें जननी सुरक्षा योजना एवं प्रसुति सहायता योजना के लंबित प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण कर हितग्राही महिलाओं को राशि वितरण करने के निर्देश दिये गए। पीएम राहत योजना के अंतर्गत दुर्घटना में घायलों के उपचार के प्रकरणों का तत्परता के साथ निराकरण करने कहा गया।

अधोसंरचना परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग के एसडीओ को निर्देशित किया गया कि वारासिवनी-गर्रा रोड पर बन रहे रोड ओव्हरब्रिज का शेष कार्य शीघ्रता से पूर्ण कराये। इसी प्रकार भटेरा रोड पर रोड ओव्हरब्रिज के काम में गति लाने के निर्देश दिये गए। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाए एवं अग्रणी बैंक प्रबंधक को कामधेनु योजना के ऋण प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण कर ऋण वितरण कराने के निर्देश दिये गए। अक्षय ऊर्जा अधिकारी को सोलर कृषि पंप के लिए कुसुम-बी योजना के प्रकरणों में गति लाने के निर्देश दिये गए। आईटीआई के प्रचार्य को निर्देशित किया गया कि जिले के सभी आईटीआई में प्रवेश उत्सव मनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियॉ की जाए और यह सुनिश्चित करें कि सभी आईटीआई में सभी सीट भर जाए।

सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी मामलों का समयबद्ध निराकरण

बैठक में सीएम हेल्पलाईन एवं लोक सेवा गारण्टी अधिनियम के प्रकरणों की समीक्षा की गई। इस दौरान निर्देशित किया गया कि इन प्रकरणों का तत्परता के साथ समय सीमा में निराकरण कराया जाए। लोक सेवा गारण्टी के प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण नही होने पर जिम्मेदार अधिकारी के विरूद्ध जुर्माना लगाने की कार्यवाही की जाए। कृषि एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की सार्थक एप्प से उपस्थिति अनिवार्य रूप से लगवाने के निर्देश दिये गए।

एसडीएम गोपाल सोनी ने बालाघाट नगर में वर्षा पूर्व नाला सफाई कार्य का किया निरीक्षण

लापरवाही पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश

जगप्रेरणा बालाघाट।

आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए नगर में जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए किए जा रहे नाला एवं नाली सफाई कार्यों का सोमवार 1 जून को एसडीएम गोपाल सोनी ने निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर सफाई कार्य की प्रगति असंतोषजनक पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त की गई। एसडीएम श्री सोनी ने नगर पालिका बालाघाट क्षेत्र के हनुमान चौक, रेलवे स्टेशन देवटोला, गड्ढा मोहल्ला तथा वार्ड क्रमांक 3 से होकर प्रवाहित होने वाले प्रमुख नालों का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर नालों की सफाई कार्य अपेक्षित स्तर का नहीं पाया गया। कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति से असंतुष्ट एसडीएम ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी के माध्यम से संबंधित कर्मचारियों एवं जिम्मेदार व्यक्तियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही नगर पालिका प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि नगर के सभी नालों एवं नालियों की सफाई का कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए। एसडीएम श्री सोनी ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया कि एक सप्ताह के भीतर नगर क्षेत्र के समस्त नालों और नालियों की सफाई सुनिश्चित कराई जाए, ताकि वर्षा के दौरान जलभराव, गंदगी और नागरिकों को होने वाली परेशानियों से बचा जा सके। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कहा कि मानसून से पूर्व नाला सफाई कार्य समय पर पूरा होना अत्यंत आवश्यक है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा कार्य में उदासीनता बरतने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस सख्ती से नगर में वर्षा पूर्व सफाई व्यवस्था को लेकर सक्रियता बढने की उम्मीद जताई जा रही है।

महिला कांग्रेस प्रभारी मंजू मिश्रा ने कार्यकर्ताओं से की वन-टू-वन चर्चा..

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी द्वारा महिला कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने तथा संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से प्रदेशभर में संगठन सृजन अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी में बालाघाट जिले में महिला कांग्रेस संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए नियुक्त प्रभारी मंजू मिश्रा का बालाघाट आगमन हुआ।

इस दौरान उन्होंने महिला कांग्रेस की पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत चर्चा कर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंजू मिश्रा ने महिला कांग्रेस की कार्यकर्ताओं से वन-टू-वन चर्चा करते हुए संगठन की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों एवं आगामी रणनीति को लेकर सुझाव लिए। उन्होंने महिला कार्यकर्ताओं की समस्याओं और विचारों को गंभीरता से सुना तथा संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय और मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर संगठन विस्तार, महिला भागीदारी बढ़ाने और कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने पर भी चर्चा की गई। मंजू मिश्रा ने कहा कि महिला कांग्रेस संगठन की रीढ़ है और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना संगठन को मजबूत नहीं किया जा सकता। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय और एकजुटता के साथ काम करने का आह्वान करते हुए कहा कि आने वाले समय में महिला कांग्रेस की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होने वाली है। उन्होंने महिला कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों को आमजन तक पहुंचाने तथा संगठनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरसवार, पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश सचिव पुष्पा बिसेन, संगठन महासचिव शफ़क़त खान, जिला उपाध्यक्ष अंजू जायसवाल, महिला कांग्रेस प्रदेश सचिव लक्ष्मी वघाड़े, उषा मिश्रा, शानू राय, जुबैदा अंसारी सहित बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

सनातन के सम्मान में बालाघाट में मुस्लिम जागृति मंच ने

पीएम मोदी और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर की गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट में आज 01 जून 2026 को मुस्लिम जागृति मंच ने सनातन के सम्मान में एक बड़ी पहल करते हुए लोकसभा के वर्षाकालीन सत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम ज्ञापन सौंपकर गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग करते हुए गौ माताओं के अपमान पर भी सजा का प्रावधान लगाने की और गौ मांस के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। बालाघाट में यूनूस खान (पप्पा भाई) के नेतृत्व में मुस्लिम जागृति मंच ने आज कलेक्टर मृणाल मीना के नाम ज्ञापन सौंपकर गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग की।

बोले युनुस खान..

मुस्लिम जागृति मंच के युनुस खान ने कहा कि वर्तमान समय में हमारे देश में अनेकों जगह गाय को लेकर मॉब लिंचिंग एवं अन्य लड़ाई झगड़ा यहां तक की हत्या के अनेकों प्रकरण समाचार पत्रों सहित न्यूज़ चैनल सहित मंजरे आम पर सर्व विदित है, जिससे समाज के दो हिस्सों में हमेशा तनाव बना रहता है। युनुस खान ने कहा कि यह बात भी सही है कि इस मुल्क के 14 प्रतिशत मुस्लिम आबादी इस्लाम धर्म के मुताबिक गौवंश का भोजन के रूप में सेवन करती है। इसके अलावा ईसाई समुदाय दलित समुदाय का एक बड़ा वर्ग पूर्वोत्तर के राज्य दक्षिण का केरल एवं गोवा सहित अन्य प्रदेशों में भी भोजन के रूप में गौवंश का इस्तेमाल किया जाता है। और यह बात भी सत्य है की सनातन धर्म के मुताबिक गाय को इस देश में पूजा जाता है। अधिकतर लोग गाय को माता के नाम से भी पुकारते हैं ऐसी स्थिति में यह रोज-रोज के विवाद को देश के हित में खत्म किया जाना नितांत आवश्यक है, ताकि देश में शांति और सदभाव बना रहे।

नही खायेंगे गाय का गोश्त..

युनुस खान ने आगे कहा कि हिंदुस्तान का संपूर्ण मुसलमान ये तय कर चुका है कि ना तो मुसलमान गाय का गोश्त खाएगा ना कुर्बानी देगा और ना ही भारत सरकार गौवंश की हत्या करें विदेश में इसका मीट भेजकर मोटा मुनाफा कमाए। बल्कि गाय के खाल से बनने वाले प्रत्येक प्रोडक्ट पर भी प्रतिबंध लगा दे, जिससे हमारे सनातन धर्म को मानने वाले हिंदू भाइयों की आस्था को ठेस ना पहुंच सके। उनकी आस्था पर चोट न हो। युनुस खान ने मांग की कि प्रधानमंत्री लोकसभा के वर्षाकालीन इसी सत्र में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के लिए एक विधेयक लाकर कानून बनाने का सदन में विधायक पारित करवाए। साथ ही कानून में गौवंश की हत्या चाहे कोई भी व्यक्ति करे, मुस्लिम हो गैर मुस्लिम या संस्थान हो। उसके लिए सजा का प्रावधान करें। गौवंश से बनने वाले जितने प्रोडक्ट हैं, उससे पैर में पहनने वाला जूता, कमर में लटकाने वाला बेल्ट, घड़ीयों के बेल्ट, महिलाओं के पर्स/ बेग कारखाने में लगने वाला गौवंश की हड्डियों का पाउडर का प्रयोग आदि हर चीज पर प्रतिबंध कर देना चाहिए, ताकि हमारी गौ माता के चमड़े का भी इस्तेमाल पैर में पहन कर अपमान न कर सके। यूनूस खान ने कहा कि हम मांग करते हैं कि देश के प्रधानमंत्री मोदी इसी सत्र में इस महत्वपूर्ण विधेयक को लाकर सनातन धर्म के 80 प्रतिशत लोगों के सम्मान में गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करें। इसके पारित हो जाने से इस देश की 14 प्रतिशत मुसलमानों की आबादी आपको धन्यवाद भेजेगी, दुआएं देगी और आपका सम्मान करेगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रमुख रुप से फारुख शेख, रफी अंसारी, शहबाज खान, कादर रजा, मो. नजीर, सरफराज खान, मो. अकील खान, रशीद मो. कुरैशी, सैय्यद शाकिर हुसैन रिजवी, लियाकत अली, अंसार अहमद खान, मो. एजाज खान, एम.जेड. कुरैशी संहित अनेक मुस्लिम सदस्य उपस्थित थे।

आवश्यकता है..

बालाघाट शहर के प्रसिद्ध गपशप रेस्टॉरेंट (केशर प्लाजा कॉम्पलेक्स, हनुमान चौक बालाघाट) में वेटर एवं हेल्पर की आवश्यकता है। संपर्क करें..
मो. 9301210805, 7000671780

आवश्यकता है..

बालाघाट शहर के प्रसिद्ध डिस्ट्रीब्यूटर वाधवानी फटाखा बाजार एवं विजय सेल्स में कार्य के लिये मार्केटिंग सेल्समेन, पुरुष एवं महिला कर्मचारी की आवश्यकता है। संपर्क करें..
मो. 9425639000, 9300039839, 7693039839

क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100/- प्रतिदिन..

दैनिक जगप्रेरणा में क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100 /- प्रतिदिन में प्रकाशित किये जाते हैं।
कृपया संपर्क करें..
मो. 9329033433

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

अजय रजक गढ़ी
मो. 84353 19391

आईएसओ उपलब्धि और बेहतर कानून व्यवस्था के लिए याद किए जाएंगे टीआई मदन इवने..

जगप्रेरणा परसवाड़ा।

परसवाड़ा थाना प्रभारी निरीक्षक मदन इवने के स्थानांतरण पर शनिवार सायं थाना परिसर में भावनात्मक एवं गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में एसडीओपी अरविंद शाह की उपस्थिति में पुलिस स्टाफ पत्रकार बंधुओं,

जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने श्री इवने के सफल कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम की शुरुआत थाना स्टाफ द्वारा थाना प्रभारी मदन इवने का शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान करने से हुई। इसके बाद उपस्थित अतिथियों ने उनके लगभग 15 माह के कार्यकाल को याद करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि श्री इवने ने अपने कार्यकाल में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के साथ-साथ पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया। उनके नेतृत्व में परसवाड़ा थाना न केवल अपराध नियंत्रण में सफल रहा बल्कि प्रशासनिक व्यवस्थाओं और जनसहभागिता के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं।

पत्रकार हर्ष पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस विभाग में अधिकारियों का स्थानांतरण एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन कुछ अधिकारी अपने व्यवहार, कार्यशैली और जनसंपर्क के कारण लोगों के दिलों में विशेष स्थान बना लेते हैं। मदन इवने ऐसे ही अधिकारियों में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में परसवाड़ा क्षेत्र की कानून व्यवस्था कभी सवालों के घेरे में नहीं आई। उन्होंने हर मामले को गंभीरता, निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ सुलझाया। मीडिया, व्यापारियों, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों के साथ उनके मधुर संबंध रहे, जिसके कारण क्षेत्र में विश्वास और सहयोग का वातावरण बना रहा।

एसडीओपी अरविंद शाह ने कहा कि टीआई मदन इवने ने हर चुनौती का व्यवहारिक एवं सकारात्मक तरीके से सामना किया। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से किया। उनके नेतृत्व में परसवाड़ा थाना आईएसओ मानकों के अनुरूप विकसित हुआ, जो पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि थाना परिसर की स्वच्छता, सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली और बेहतर वातावरण श्री इवने की दूरदर्शी सोच एवं मेहनत का परिणाम है। आज परसवाड़ा थाना दूर से ही एक आदर्श सरकारी संस्थान के रूप में दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में जनता सबसे अधिक तब संपर्क करती है जब वह किसी परेशानी में होती है और ऐसे समय में श्री इवने ने हर व्यक्ति की समस्या को गंभीरता से सुना और समाधान का प्रयास किया।

पत्रकार संघ के संरक्षक देवेन्द्र डहरवाल ने कहा कि किसी भी विभाग की पहचान और छवि उसके अधिकारियों की कार्यशैली पर निर्भर करती है। एक सक्षम और कुशल अधिकारी अपने पूरे विभाग को सम्मान दिलाता है। उन्होंने कहा कि मदन इवने के कार्यकाल में पुलिस विभाग पर किसी भी प्रकार के गंभीर आरोप-प्रत्यारोप नहीं लगे, जो उनकी पारदर्शी एवं निष्पक्ष कार्यशैली का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि पुलिस और पत्रकार समाज के दो ऐसे महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, जो जनता और प्रशासन के बीच सेतु का कार्य करते हैं। श्री इवने ने हमेशा संवाद और सहयोग की भावना के साथ कार्य किया, जिसके कारण अधिकांश मामलों का निराकरण थाना स्तर पर ही हो जाता था और उच्च अधिकारियों तक जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती थी।

पत्रकार विशाल महानंद ने कहा कि यद्यपि श्री इवने का स्थानांतरण सभी के लिए भावनात्मक क्षण है, लेकिन नई जिम्मेदारियों का निर्वहन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने उनके उत्कृष्ट सेवाकाल के लिए आभार व्यक्त करते हुए आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

अपने विदाई उद्बोधन में थाना प्रभारी मदन इवने ने कहा कि परसवाड़ा में बिताया गया समय उनके जीवन के सबसे यादगार अनुभवों में शामिल रहेगा। उन्होंने कहा कि एसडीओपी अरविंद शाह, पुलिस अधीक्षक, समस्त थाना स्टाफ, पत्रकार साथियों एवं क्षेत्रवासियों का उन्हें हमेशा भरपूर सहयोग मिला। इसी सहयोग के कारण थाना परिसर के विकास, आईएसओ प्रमाणन, स्वच्छता अभियान, विद्यांजलि अभियान तथा विभिन्न खेल गतिविधियों में उल्लेखनीय कार्य संभव हो सके।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा है और इसी सोच के साथ उन्होंने थाना परिसर को व्यवस्थित एवं आकर्षक बनाने का प्रयास किया। उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल का श्रेय थाना स्टाफकी टीम भावना और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन को देते हुए कहा कि किसी भी उपलब्धि के पीछे सामूहिक प्रयास और सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने पत्रकारों को लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए उनके सकारात्मक सहयोग के लिए विशेष आभार व्यक्त किया।

समारोह के अंत में उपस्थित नागरिकों, पत्रकारों एवं पुलिस कर्मियों ने श्री इवने को स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल सेवाकाल की कामना की।

इस अवसर पर एसडीओपी अरविंद शाह, देवेन्द्र डहरवाल, राकेश मिश्रा, विशाल महानंद, पंकज जैन, अशोक गिरी गोस्वामी, हर्ष पाण्डेय, नरेंद्र शरणागत, सूनेश उइके, उपनिरीक्षक जी.एल. अहिरवार सहित थाना एवं एसडीओपी कार्यालय का समस्त पुलिस स्टाफ तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पंचेरा के जंगल में मृत मिला तेंदुआ, हीट स्ट्रोक और भूख-प्यास से मौत की पुष्टि..

निर्धारित प्रक्रिया के तहत किया गया अंतिम संस्कार (शवदाह)

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट तहसील के ग्राम पंचेरा स्थित वन क्षेत्र में सोमवार 01 जून 2026 की सुबह एक तेंदुआ मृत अवस्था में पाया गया। वन विभाग के बीट गार्ड एवं चौकीदार के नियमित भ्रमण के दौरान सुबह करीब 7 बजे तेंदुए का शव जंगल में देखा गया, जिसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की गई। इसके बाद पशु चिकित्सकों की टीम द्वारा मृत तेंदुए का पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार तेंदुए की मृत्यु भूख, प्यास एवं अत्यधिक गर्मी (हीट स्ट्रोक) के कारण होना पाई गई। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में क्षेत्र में भीषण गर्मी का प्रभाव बना हुआ है, जिसके चलते वन्यजीवों को भोजन और पानी की उपलब्धता में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार की शिकार अथवा अन्य संदिग्ध गतिविधि के संकेत नहीं मिले हैं। पोस्टमार्टम के उपरांत वन विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त उपस्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार तेंदुए के शव का अंतिम संस्कार (शवदाह) किया गया। इस दौरान तहसीलदार मंजूला महोबिया सहित वन एवं राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वन्यजीवों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए क्षेत्र में लगातार निगरानी की जा रही है तथा गर्मी के मौसम में वन क्षेत्रों के जलस्त्रोतों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि वन्य प्राणियों को पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

कुएं में उतरने से पहले जहरीली गैस की जांच अवश्य कर लें..

जगप्रेरणा बालाघाट।

फसलों की सिंचाई के लिए मोटर पंप को कुएं में नीचे तक उतारने, मोटर पंप को सुधारने या अन्य कारणों से किसानों को कुएं में उतरना पड़ता है। ऐसी स्थिति में कई बार दुर्घटना हो जाती है और कुएं में उतरने वाले व्यक्ति की आक्सीजन की कमी से दम घुटने के कारण मृत्यु हो जाती है।

बालाघाट जिले में विगत वर्षों में ऐसी अनेक घटनायें हो चुकी हैं, जिनमें जनहानि हुई है। इन्ही तथ्यों को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने जिले के किसानों, ग्रामीणों एवं आमजन से अपील की है कि यदि किन्ही कारणों से कुएं में उतरना जरूरी हो तो कुएं में उतरने से पहले उसमें जहरीली गैस की जांच अवश्य कर लें। जांच के बाद जब संतुष्ट हो जायें कि कुएं में जहरीली गैस नहीं है और उतरना पूरी तरह से सुरक्षित है तभी कुएं में उतरें।

खेतों एवं अन्य स्थानों पर सीमेंट-कांक्रीट से बने हुए कुएं हैं। ऐसे कुओं में गोबर, पेड़ों की पत्तियां या अन्य जैविक पदार्थों के विघटन से पानी की सतह के ऊपर जहरीली गैस कार्बन डाय आक्साईड, कार्बन मोनो आक्साईड, हाईड्रोजन सल्फाईड, अमोनिया, नाईट्रोजन डाय आक्साईड बन जाती है। इन गैसों के कारण कुएं में आक्सीजन की कमी हो जाती है और जब कोई व्यक्ति कुएं में बगैर सावधानी के उतरता है तो दम घुटने से उसकी मृत्यु हो जाती है। अतः जब भी किसी व्यक्ति को कुएं में उतरना बहुत जरूरी हो तो इन गैसों की कुएं में मौजूदगी की जांच अवश्य कर लें।

कुएं में जहरीली गैस की जांच के लिए आसान उपाय अपनाये जा सकते हैं। इसके लिए जलता हुआ दिया रस्सी के सहारे कुएं के पानी की सतह ले जायें। यदि दिया पानी की सतह के पास जाकर बुझ जाता है तो समझ लें कि कुएं में जानलेवा जहरीली गैस मौजूद है। कुएं से जहरीली गैस को बाहर निकालने के लिए एक छाते को फैलाकर उसे रस्सी के सहारे उल्टा पानी की सतह तक ले जायें और अंदर की हवा को छाते से बार-बार ऊपर की ओर खींचे। बार-बार ऐसा करने से कुएं के भीतर मौजूद जहरीली गैस बाहर निकल जायेगी। उल्टे छाते से जहरीली गैस को बाहर निकालने के बाद एक बार फिर से जलता हुआ दिया रस्सी के सहारे पानी की सतह तक ले जायें। यदि दिया पानी की सतह के पास जाकर बुझता नहीं है और अच्छे से जलता रहता है तो समझ जायें कि कुएं में जहरीली गैस मौजूद नहीं है। कुएं से जहरीली गैस को बाहर निकालने के लिए ऊपर से पानी का छिड़काव भी किया जा सकता है।

दीवार गिर जाने से मृत महिला के परिवार को 01 लाख रुपए सहायता राशि मिलेगी

जगप्रेरणा बालाघाट।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बालाघाट श्री गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 06-04 के प्रावधानों के तहत पुराने मकान की दीवार गिर जाने से उसकी चपेट में आयी सन्नुबाई ऊर्फ अंजनी लिल्हारे की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान 03 मई 2026 को मृत्यु हो जाने के कारण उसके वारिस राजाराम लिल्हारे को 01 लाख रुपए की सहायता राशि मंजूर की है। बालाघाट तहसील के ग्राम कोसमी में रेखलाल बसेने के घर पर वास्तु कार्यक्रम मे खाना बनाने के लिए सन्नुबाई गई थी। इस दौरान तेज आंधी तूफान में रेखलाल बसेने के पुराने मकान की दीवार गिर जानें से सन्नुबाई उसकी चपेट में आ गई थी, जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय बालाघाट भर्ती कराया गया था, जहॉ 03 मई 2026 को उसकी मृत्यु हो गई। बालाघाट तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि कोषालय में देयक प्रस्तुत कर राजाराम लिल्हारे के बैंक खाते में ई-पेमेंट से 01 लाख रुपए की सहायता राशि जमा कराये।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला बालाघाट (म. प्र.)

क्रमांक/0046/अति.कले./वि. पंजी/2025-26	बालाघाट दिनांक 05/05/2026

।। आम - सूचना।।

हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 के अन्तर्गत विवाह पंजीयन हेतु आवेदकगण गजेन्द्र कुमार बराडे आयु 34 वर्ष पिता श्री कुंवरलाल बराडे जाति गढेवाल निवासी वार्ड नं0 7 ग्राम बीज़ाटोला परसवाड़ा तहसील परसवाड़ा जिला बालाघाट (म. प्र.) एवं आवेदिका सरला ब्रम्हे उम्र 28 वर्ष पिता श्री कन्हैयालाल ब्रम्हे, जाति मेहरा निवासी वार्ड नं0 6 प्रताप नगर नैनपुर तहसील नैनपुर जिला मण्डला (म.प्र.) ने उपस्थित होकर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, जिसमें उन्हें विवाह पंजीयन जारी किया जाना है। विवाह पंजीयन हेतु सुनवाई दिनांक 12/06/2026 को नियत की गई है।

अतः उक्त विवाह पंजीयन के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह सुनवाई दिनांक /2/06/2026 तक न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी बालाघाट के समक्ष न्यायालयीन समय प्रातः 10:00 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

अपर कलेक्टर
एवं विवाह अधिकारी
जिला बालाघाट (म. प्र.)

वन स्टॉप सेंटर बैहर में स्वास्थ्य प्रशिक्षण एवं जांच शिविर आयोजित

जगप्रेरणा बैहर।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति के

अंतर्गत संचालित वन स्टॉप सेंटर (सखी) बैहर में स्वास्थ्य प्रशिक्षण एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य महिलाओं में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाना तथा समय पर स्वास्थ्य जांच के महत्व से अवगत कराना था। वन स्टॉप सेंटर बैहर की प्रशासक सुश्री रचना चौधरी के निर्देशन में आयोजित शिविर में 42 महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर के दौरान महिलाओं को विभिन्न स्वास्थ्य विषयों पर जानकारी प्रदान की गई तथा उनकी काउंसलिंग भी की गई। समग्र लेप्रा परियोजना के प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर श्री योगेंद्र टेंभरे ने महिलाओं को एचआईवी संक्रमण के प्रमुख कारणों, इससे बचाव के उपायों तथा परिवार को सुरक्षित रखने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1097 के बारे में भी बताया। इसके अलावा हेपेटाइटिस एवं टीबी जैसी गंभीर बीमारियों के लक्षण, रोकथाम और उपचार संबंधी जानकारी साझा की गई।

शिविर के दौरान उपस्थित महिलाओं की एचआईवी एवं सिफिलिस संबंधी जांच भी की गई। जांच में सभी महिलाओं की रिपोर्ट नॉन-रिएक्टिव पाई गई, जिससे महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और नियमित जांच के महत्व का संदेश गया। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं ने स्वास्थ्य संबंधी उपयोगी जानकारी प्राप्त कर शिविर की सराहना की। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य जागरूकता एवं जांच शिविरों के नियमित आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की।

सफल आयोजन में रहा कई संस्थाओं का सहयोग..

शिविर के सफल आयोजन में समग्र लेप्रा परियोजना के प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर श्री योगेंद्र टेंभरे, सिविल अस्पताल बैहर के लैब टेक्निशियन श्री नेमसिंह कुमरे तथा वन स्टॉप सेंटर बैहर के समस्त कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहने और किसी भी स्वास्थ्य समस्या के प्रति सजग रहने की सलाह दी।

अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्यों ने राज्यपाल मंगूभाई पटेल से की भेंट..

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने सोमवार को राज्यपाल से सौजन्य भेंट कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा जनजातीय वर्ग के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। 01 जून 2026 को मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल के नेतृत्व में आयोग के सदस्य भगत सिंह नेताम, मंगल सिंह धुर्वे तथा सचिव सीमा सोनी ने भोपाल में मंगूभाई पटेल से मुलाकात की।

इस अवसर पर आयोग के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल श्री पटेल को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की। भेंट के दौरान अनुसूचित जनजाति समुदाय के सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

प्रतिनिधिमंडल ने जनजातीय क्षेत्रों में विकास कार्यों की प्रगति, कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा आदिवासी समुदाय के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। राज्यपाल ने जनजातीय वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार एवं विभिन्न संस्थाओं द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया।

जग प्रेरणा
वारासिवनी कटंगी
● कायदी ● डोंगरमाली ● रामपायली ● खैरलांजी ● तिरोड़ी ● बोनकट्टा ● महकेपार

दैनिक जग प्रेरणा
में समाचार
एवं विज्ञापन प्रकाशन
हेतु संपर्क करें..
पिंटू गुप्ता तिरोड़ी
मो. 8770664297

लाखों की निधि से बने यात्री प्रतीक्षालय बदहालः जनता पूछ रही सवाल, आखिर जवाबदेह कौन?

राजेश चौहान, जगप्रेरणा रामपायली।

जनहित के नाम पर विधायक निधि और सांसद निधि से निर्मित यात्री प्रतीक्षालय आज स्वयं अपनी बदहाली की कहानी बयां कर रहे हैं। वारासिवनी से मोवाड तक के अनेक राजस्व ग्रामों में वर्षों पूर्व

यात्रियों की सुविधा के लिए बनाए गए यात्री प्रतीक्षालय या तो अतिक्रमण की भेंट चढ़ चुके हैं, या फिर उचित रखरखाव के अभाव में उपयोगहीन होकर खंडहर में तब्दील होते जा रहे हैं। ऐसे में जनता यह सवाल उठाने लगी है कि जब इन निर्माण कार्यों पर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए गए थे, तो उनकी वर्तमान स्थिति की जिम्मेदारी आखिर किसकी है?

विधायक निधि और सांसद निधि का उद्देश्य आम नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना होता है। यह निधि किसी व्यक्ति विशेष की नहीं, बल्कि देश और प्रदेश के करदाताओं के कठिन परिश्रम से अर्जित धन से संचालित होती है। जनप्रतिनिधि अपने कार्यकाल में इन निधियों से किए गए विकास कार्यों को उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करते हैं, लेकिन निर्माण के बाद इन परिसंपत्तियों के संरक्षण और रखरखाव की स्थिति पर शायद ही कभी गंभीरता से ध्यान दिया जाता है।

वारासिवनी से मोवाड मार्ग क्षेत्र का एक प्रमुख और व्यस्त ग्राम रामपायली इसका जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया है। यहां से प्रतिदिन सैकड़ों यात्री शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए विभिन्न शहरों की ओर आवागमन करते हैं। इसके बावजूद बस स्टैंड परिसर में यात्रियों के लिए बुनियादी सुविधाओं का गंभीर अभाव बना हुआ है।

यात्रियों का कहना है कि बसों की प्रतीक्षा के दौरान उन्हें बैठने, छाया और स्वच्छ वातावरण जैसी सामान्य सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति स्वच्छता व्यवस्था की है। यहां न तो सुलभ शौचालय की समुचित व्यवस्था है और न ही शौचालय की नियमित साफ-सफाई होती है। गंदगी से भरे शौचालयों और आसपास फैली अस्वच्छता न केवल यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बन रही है, बल्कि संक्रामक बीमारियों के प्रसार का खतरा भी बढ़ा रही है।

स्थानीय नागरिकों का मानना है कि केवल नए निर्माण कार्य कराना ही विकास नहीं है, बल्कि उनकी निरंतर देखरेख और उपयोगिता बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। यदि करोड़ों रुपये खर्च कर बनाए गए यात्री प्रतीक्षालय वर्षों बाद उपयोग के योग्य ही न रहें, तो यह सार्वजनिक धन के प्रभावी उपयोग पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि पंचायतों, जनपद पंचायत, नगर निकायों और संबंधित विभागों को संयुक्त रूप से क्षेत्र के सभी यात्री प्रतीक्षालयों का सर्वेक्षण कर उनकी वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन करना चाहिए। जहां अतिक्रमण है वहां तत्काल कार्रवाई हो, जहां मरम्मत की आवश्यकता है वहां विशेष अभियान चलाया जाए तथा स्वच्छता और रखरखाव के लिए स्थायी व्यवस्था विकसित की जाए।

समाधान क्या हो सकता है?

सभी ग्रामों के यात्री प्रतीक्षालयों का भौतिक सत्यापन कराया जाए।

पंचायत स्तर पर रखरखाव के लिए वार्षिक बजट निर्धारित किया जाए।

अतिक्रमण हटाने हेतु विशेष अभियान चलाया जाए।

बस स्टैंडों पर स्वच्छ शौचालयों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए।

ग्राम स्तरीय निगरानी समितियों का गठन कर सार्वजनिक परिसंपत्तियों की सुरक्षा की जाए।

जनप्रतिनिधियों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण कर जनता के समक्ष रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

जनता का सीधा सवाल

जनता के करों से निर्मित सुविधाएं यदि जनता के ही काम न आएं, तो विकास के दावों का क्या अर्थ रह जाता है? वारासिवनी से मोवाड तक बदहाल यात्री प्रतीक्षालय और रामपायली बस स्टैंड की अव्यवस्थाएं प्रशासन, पंचायतों और जनप्रतिनिधियों से जवाब मांग रही हैं। अब देखना यह होगा कि करोड़ों रुपये की इन सार्वजनिक परिसंपत्तियों को पुनर्जीवित करने के लिए जिम्मेदार तंत्र कब और कितना गंभीर कदम उठाता है।

'विकास केवल निर्माण से नहीं, बल्कि उसके सतत संरक्षण और जनहित में उपयोग से सिद्ध होता है।'

खैरलांजी तहसील के किन्ही में अवैध रेत भंडारण पर कार्रवाई, 55 ट्रॉली रेत और ट्रैक्टर जब्त..

जगप्रेरणा खैरलांजी।

बालाघाट जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार 01 जून 2026 को तहसील खैरलांजी के ग्राम किन्ही में राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम

ने छापामार कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में अवैध रूप से भंडारित रेत जब्त की। उप संचालक सुश्री फरहत जहां ने बताया कि संयुक्त दल द्वारा ग्राम किन्ही में खनिज रेत के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की जांच की गई। कार्रवाई के दौरान ग्राम किन्ही स्थित शासकीय भूमि के खसरा क्रमांक 396 में लगभग 55 ट्रॉली खनिज रेत का अवैध भंडारण पाया गया। जांच के दौरान रेत भंडारण संबंधी कोई वैध अनुमति अथवा रॉयल्टी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर अधिकारियों ने नियमानुसार रेत को जब्त कर लिया है। जब्त की गई रेत को ग्राम पंचायत किन्ही के कोटवार सुनील धमगाहे की सुपुर्दगी एवं निगरानी में सौंप दिया गया है। कार्रवाई के दौरान ग्राम मोवाड़, तहसील खैरलांजी से ट्रैक्टर क्रमांक रूक्क50र-3332 को भी जब्त किया गया। मौके पर वाहन चालक के अनुपस्थित होने के कारण अन्य चालक की सहायता से वाहन को पुलिस थाना खैरलांजी लाकर अभिरक्षा में रखा गया है।

खनिज विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मामले में मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। जिले में अवैध रेत कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त पाए जाने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी।

सांप के काटने पर झाड़-फूंक नहीं, तत्काल अस्पताल पहुंचाएं मरीज..

एंटी स्नेक वेनम ही बचा सकता है मरीज की जान

जगप्रेरणा बालाघाट।

वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही जिले में सांप निकलने और सर्पदंश की घटनाओं में वृद्धि होने लगती है। खेतों, घरों के आसपास, लकड़ी एवं घास-फूस के ढेरों तथा जलभराव वाले क्षेत्रों में सांपों की गतिविधियां बढ़ जाती हैं।

ऐसे समय में लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि सांप के काटने की स्थिति में किसी भी प्रकार के तंत्र-मंत्र, झाड़-फूंक या अंधविश्वास के चक्कर में न पड़ें, बल्कि मरीज को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाएं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप ने बताया कि सर्पदंश के बाद समय पर उचित चिकित्सा उपचार मिलने से अधिकांश मरीजों की जान बचाई जा सकती है। सांप के काटने के बाद कई लोग पंडा-पुजारी, ओझा-गुनिया अथवा झाड़-फूंक कराने में कीमती समय गंवा देते हैं, जिसके कारण मरीज की स्थिति गंभीर हो सकती है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) ही सर्पदंश का प्रभावी और प्रमाणित उपचार है।

डॉ उपलप ने बताया कि बालाघाट जिले के जिला अस्पताल सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं दूरस्थ क्षेत्रों के कई अस्पतालों में भी एंटी स्नेक वेनम का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराया गया है, ताकि जरूरत पडने् पर मरीजों को तत्काल उपचार मिल सके। इसलिए सर्पदंश की घटना होने पर मरीज को बिना देर किए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल पहुंचाना चाहिए।

सर्पदंश होने पर क्या करें

सर्पदंश होने पर मरीज को शांत रखें और घबराने न दें। प्रभावित अंग को अधिक हिलाने-डुलाने से बचाएं। मरीज को जल्द से जल्द नजदीकी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं। यदि संभव हो तो सांप का रंग या पहचान संबंधी जानकारी सुरक्षित रखें, लेकिन सांप को पकडने् या मारने का प्रयास न करें। एम्बुलेंस सेवा या चिकित्सा सहायता के लिए तुरंत संपर्क करें।

सांप के काटने पर क्या न करें

सांप के काटने पर झाड़-फूंक, तंत्र-मंत्र या अंधविश्वास का सहारा न लें। काटे गए स्थान पर चीरा न लगाएं। जहर चूसने का प्रयास न करें। प्रभावित अंग पर अत्यधिक कसकर रस्सी या कपड़ा न बांधें। घरेलू नुस्खों के भरोसे समय बर्बाद न करें।

स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वर्षा ऋतु में खेतों और घरों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखें, रात में टॉर्च का उपयोग करें तथा बच्चों को भी सर्पदंश से बचाव के प्रति जागरूक करें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सांप के काटने पर त्वरित चिकित्सा उपचार और एंटी स्नेक वेनम ही मरीज की जान बचा सकता है, इसलिए किसी भी प्रकार के अंधविश्वास के बजाय वैज्ञानिक उपचार को प्राथमिकता दें। इससे सर्पदंश से होने वाली मृत्यु की घटनाओं को प्रभावी रूप से रोका जा सकता है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दिया गया जल गुणवत्ता परीक्षण प्रशिक्षण

जगप्रेरणा बालाघाट।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत 01 जून 2026 को जनपद पंचायत लालबर्रा में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) उपखंड लालबर्रा द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के अमोली,

जाम एवं मोहगांव सेक्टर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए जल गुणवत्ता परीक्षण संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्राम स्तर पर पेयजल स्त्रोतों की नियमित निगरानी को सुदृढ़ बनाना तथा जलजनित बीमारियों की रोकथाम सुनिश्चित करना था।

कार्यक्रम में ब्लॉक समन्वयक परमानंद ठाकरे द्वारा फील्ड टेस्टिंग किट (एफ्टीके) के उपयोग और जल गुणवत्ता जांच की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान अमोली, जाम एवं मोहगांव सेक्टर की 82 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को जल परीक्षण का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। साथ ही उनकी एफ्टीके यूजर आईडी भी तैयार की गई। इस कार्य में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खंड बालाघाट के हरीश झा, शीतल मिश्रा तथा ब्लॉक समन्वयक फनीश रंगारे, रानी सिंह राजपूत, परमानंद ठाकरे एवं मोहिनी पटले का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रशिक्षण के दौरान आंगनवाड़ी एवं स्कूलों से लाए गए पानी के नमूनों की मौके पर ही फील्ड टेस्टिंग किट के माध्यम से जांच कराई गई। कार्यकर्ताओं को प्रत्यक्ष रूप से बताया गया कि पानी में मौजूद विभिन्न तत्वों की पहचान किस प्रकार की जाती है। प्रशिक्षण में मुख्य रूप से पीएच मान, फ्लोराइड, आयरन (लोहा) तथा पानी की कठोरता जैसे महत्वपूर्ण मानकों की जांच करना सिखाया गया।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग लालबर्रा के पर्यवेक्षक सहायक यंत्री विजय तिवारी ने कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि वे मानसून पूर्व अपने-अपने क्षेत्रों के कुओं, हैंडपंपों एवं नल-जल योजनाओं के जल का परीक्षण अनिवार्य रूप से करें, ताकि संभावित जलजनित बीमारियों से बचाव किया जा सके। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग लालबर्रा की पर्यवेक्षक श्रीमती कामना वर्मा ने कार्यकर्ताओं को वर्ष में कम से कम दो बार, मानसून से पहले और बाद में, पेयजल स्त्रोतों की जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रशिक्षण के बाद आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने स्वयं रुचि लेकर अपने-अपने केंद्रों से लाए गए पेयजल स्त्रोतों की जांच की और एफ्टीके के उपयोग का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।

अधिकारियों ने बताया कि इस पहल से ग्राम स्तर पर जल गुणवत्ता की निगरानी मजबूत होगी तथा आंगनवाड़ी केंद्रों, विद्यालयों और ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों एवं नागरिकों को सुरक्षित एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खंड कार्यालय बालाघाट से जिला समन्वयक (पीएमयू) शीतल मिश्रा एवं हरीश झा, उपखंड लालबर्रा से ब्लॉक समन्वयक रानी सिंह राजपूत, फनीश रंगारे, मोहिनी पटले और परमानंद ठाकरे उपस्थित रहे। वहीं महिला एवं बाल विकास परियोजना लालबर्रा से पर्यवेक्षक श्रीमती कामना वर्मा की उपस्थिति रही तथा परियोजना अधिकारी श्रीमती रानू शिवहरे का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

मुरझड़ में दिवंगत युवा प्रधान आरक्षक को दी गई अंतिम विदाई, पुत्र ने दी पिता को मुखाग्नि..

छिंदवाड़ा के मोहगांव थाने में नंदकिशोर था पदस्थ, सामाजिक लोगों ने दी श्रद्धांजलि..

जगप्रेरणा बालाघाट।

जिले के वारासिवनी क्षेत्र अंतर्गत मुरझड़ का रहने वाला नंदकिशोर कावरे, छिंदवाड़ा जिले के मोहगांव थाने में प्रधान आरक्षक के पद पर कार्यरत था। रविवार को सीने में उठे दर्द के बाद, उसे मोहगांव थाना से सौंसर और फिर नागपुर लेकर गए थे, जहां उसकी मौत हो गई।

परिवार के बड़े बेटे नंदकिशोर की मौत ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। रविवार को नागपुर में मौत और पोस्टमार्टम के बाद देररात, शव घर लाया गया था। जिसका अंतिम संस्कार आज सोमवार को मुरझड़ के मोक्षधाम में परिजनों, रिश्तेदारों, परिचित और मोहगांव थाना स्टॉफ के साथी कर्मचारियों की मौजूदगी में किया गया। मोक्षधाम में उनके पुत्र प्रिंस कावरे ने उन्हें मुखाग्नि दी।

बताया जाता है कि परिवार में नंदकिशोर बड़ा पुत्र था। जिस पर ही परिवार की जिम्मेदारी थी। वह अपने पीछे, माता-पिता, भाई-बहन, पत्नी और दो बच्चों को छोड़ गया है। जिनके निधन पर सामाजिक लोगो ने दुःख व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार को इस गहन दुःख से लड़ने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। सामाजिक प्रतिनिधि कमलकिशोर राऊत ने बताया कि समाज ने एक होनहार और परिवार के कर्ताधर्ता को आकस्मिक घटना में खो दिया है। जो अत्यंत ही दुःखद है, समाज, घटना पर शोक व्यक्त करता है। उन्होंने बताया कि नंदकिशोर मेरे, बुआ का लड़का था। जिसके चले जाने से पूरा परिवार स्तब्ध और मौन है। नंदकिशोर के परिवार को छोड़कर चले जाना, एक अपूर्णीय क्षति है, जिसे परिवार कभी नहीं भुला पाएगा।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

संजय टेंभरे लांजी

मो. 7697505999

जग प्रेरणा

लांजी किरनापुर

● हिर्री ● भानेगांव ● मोहझरी ● बोलेगांव ● बहेला ● रिसेवाड़ा ● कारंजा ● साडरा

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क -

9329033433

कृषि विज्ञान केंद्र बड़गांव में हुआ 'मन की बात' कार्यक्रम का आयोजन

जगप्रेरणा किरनापुर।

राणा हनुमान सिंह कृषि विज्ञान केंद्र बड़गांव में 31 मई 2026 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 134वें एपिसोड का

वर्चुअल प्रसारण किसानों को दिखाया गया। कार्यक्रम का आयोजन जनपद पंचायत किरनापुर के अध्यक्ष कल्याण सिंह राणा के मुख्य आतिथ्य में किया गया जिसमें 100 से अधिक किसानों ने सहभागिता रही। कार्यक्रम में उपसंचालक कृषि फूलसिंह मालवीय कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एस.आर. धुवारे, बड़गांव के उपसरपंच बिरनवार, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्रीमती वनिता रंगारे सहित प्रगतिशील कृषक मुकेश गौतम और रामेश्वर चौरीवार उपस्थित रहे।

मन की बात कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को संबोधित करते हुए सैनिकों के प्रति सम्मान और योगदान की भावना को बढ़ावा देने वाले एक प्रेरक उदाहरण का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि कुछ विद्यार्थियों ने सैनिकों के लिए प्रतिदिन एक रुपये का योगदान देने का संकल्प लिया, जिससे वर्षभर में उल्लेखनीय राशि एकत्र हुई। प्रधानमंत्री ने इस पहल से जुड़े छात्रों और संस्थानों की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने बढ़ती गर्मी के मद्देनजर लोगों को पारंपरिक और स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थों जैसे आम पन्ना, लस्सी, छाछ, सत्तू का शरबत, सोल कढ़ी, नीर मोर और बेल पना आदि के सेवन की सलाह दी।

कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एस.आर. धुवारे ने किसानों को आगामी खरीफ मौसम के लिए मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 110 से 120 दिन में तैयार होने वाली शीघ्र एवं मध्यम अवधि की धान किस्मों की खेती करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि शॉर्ट ड्यूरेशन वाली धान की उन्नत किस्में अधिक उत्पादन देने के साथ-साथ कीट एवं रोगों के प्रति भी अपेक्षाकृत सहनशील हैं। जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री कल्याण सिंह राणा ने किसानों से रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग को कम कर प्राकृतिक खेती अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से लागत कम होने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलती है।

उपसंचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि धान की पराली को जलाने के बजाय उसका उपयोग जैविक खाद बनाने में किया जाए। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने, स्वयं बीज उत्पादन करने, रसायनों का संतुलित उपयोग करने तथा खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि तकनीकों को अपनाने की सलाह दी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में कृषि विज्ञान केंद्र की श्रीमती अन्नपूर्णा शर्मा एवं श्री दिलीप कुमार शिव का विशेष योगदान रहा। किसानों ने कार्यक्रम के माध्यम से कृषि, पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक खेती से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

रेत उपलब्ध कराने सरपंच संघ ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन..

निर्माण कार्य हो रहे प्रभावित..

जगप्रेरणा लांजी।

जनपद पंचायत लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्यो के लिए रेत उपलब्ध नहीं होने से विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इस संबंध में सरपंच संघ ब्लॉक लांजी ने अनुविभागीय

अधिकारी (राजस्व) लांजी को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र रेत व्यवस्था कराने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि जिन निर्माण कार्यो के टेंडर (टी.एस.) स्वीकृत हो चुके हैं, उन्हें निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करना अनिवार्य है। लेकिन रेत की अनुपलब्धता के कारण अधिकांश निर्माण कार्य बंद पड़े हैं, जिससे पंचायतों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरपंच संघ अध्यक्ष ललीत कबीरे के नेतृत्व में सभी सरपंच साथियों ने मिलकर 1 जून को अनुविभागीय कार्यालय पंहुचकर कलेक्टर बालाघाट के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा तथा अतिशिघ्र पंचायतों रेत व्यवस्था की मांग करते हुये आंदोलन की चेतावनी दी है।

सरपंच संघ के अध्यक्ष ललित कबीरे ने प्रशासन से मांग की है कि स्थानीय स्तर पर रेत निकासी की अनुमति प्रदान की जाए तथा रॉयल्टी व अन्य प्रक्रियाओं के लिए संबंधित अधिकारी की नियुक्ति कर रेत उपलब्ध कराई जाए, ताकि विकास कार्यों को गति मिल सके। ज्ञापन में यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि 03 दिवस के भीतर समस्या का समाधान नहीं किया गया तो जनपद क्षेत्र के समस्त सरपंच अपने मुख्यालयों एवं जनपद पंचायत लांजी के समक्ष भुख हड़ताल पर बैठने को बाध्य होंगे। सरपंच संघ का कहना है कि रेत संकट के कारण पंचायतों में चल रहे निर्माण कार्य ठप पड़े हैं, जिससे ग्रामीण विकास कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। संघ ने प्रशासन से जनहित को देखते हुए तत्काल आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

टेमनी सरपंच के पक्ष में आया सरपंच संघ..

वहीं बीते दिनों राजस्व, पुलिस एवं खजिन विभाग के द्वारा ग्राम पंचायत टेमनी के सरपंच के घर में पैरे नीचे रेत भण्डारण को लेकर जो कार्यवाही हुई है उस पर भी नाराजगी जताते हुये कहा कि टेमनी पंचायत क्षेत्र की बड़ी पंचायतो ते से एक है यहां तकरीबन 2 करोड़ से अधिक के कार्या के टीएस हुये होंगे जिसके लिये रेत की आवश्यकता है। अब पंचायतो के निर्माण कार्य भी सरपंच ना कराये ऐसा नही हो सकता । शासकीय कार्यो के लिये ही रेत की निकासी सरपंच के द्वारा की गई होगी। हम सभी सरपंच साथी ग्राम पंचायत टेमनी सरपंच के साथ है।

सरपंच संघ अध्यक्ष ललीत कबीरे एवं अन्य सरपंच साथियों ने रेत के विषय को लेकर क्षेत्रीय विधायक राजकुमार करहिे से भी चर्चा की है। आपने कहा कि वे सत्ता पक्ष के विधायक है। वे प्रशासन के साथ बैठकर पंचायतो मे रेत की व्यवस्था कराये। विधायक जी को पता है क्षेत्र में लगातार विकास कार्य संचालित है जिनमे अनेको कार्य विधायक निधी एवं अन्य मदो से किये जा रहे है। गरीबो को पीएम आवास के लिये रेत उपलब्ध नही हो पा रही है ऐसे में कैसे पंचायत क्षेत्रो में विकास के कार्य संपादित होंगे।

पंचायत स्तर पर अतिशिघ्र रेत की व्यवस्था कराई जाये अन्यथा लांजी ब्लॉक सरपंच संघ आगामी 3 दिनो के पश्चात एक बड़ा आंदोलन करेगा। इस दौरान सरपंच संघ अध्यक्ष ललीत कबीरे, ताराचंद कुचलाहे संघ सचिव, नेहल गौतम उपाध्यक्ष, राम ठाकरे संरक्षक, रोशन दल्लेमाल, लिकेश ऐड़े, अरूण कबीरे, गणेश बागड़े, राजू सोयाम, श्रीराम आचरे, ओमप्रकाश दौने, राजकुमार घोरमारे, ओंकार रहांगडाले, गणेश नारनौरे, संतोष बुढावने सहित जनपद क्षेत्र के सभी सरपंच साथी उपस्थित रहे।

आंधी, बारिश के क्षणों को छोड़कर खूब तपा नौतपा गर्मी के मौसम में सावधानी बरतने की अपील..

जगप्रेरणा लांजी।

पिछले नौ दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और तेज धूप का दौर आज 2 जून को समाप्त हो गया। ज्येष्ठ माह के नौ तापा के दौरान क्षेत्र में तापमान लगातार ऊंचा बना रहा, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ।

दोपहर के समय सडक़ों पर सन्नाटा पसरा रहा और लोग घरों में रहने को मजबूर हुए। क्षेत्र में इन दिनों 40 से 45 डिग्री तक का तापमान बना रहा। नौ तापा के दौरान गर्म हवाओं (लू) और तेज धूप के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं शीतल पेय पदार्थ, फलों के रस और ठंडे पानी की मांग में भी बढ़ोतरी देखने को मिली। किसानों और मजदूरों को भी अत्यधिक गर्मी के कारण कार्य करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। वहीं नौ तपे के आखिर दौर में जहां तपन चरम पर थी तो वही शाम होते होते आसमान में बादल भी दिखाई दिये जिसे तापमान में गिरावट आई। इस दौरान प्री मानसून ने भी दस्तक दी और तेज आंधी बारीश तुफान से भी लोगो को परेशानियों का सामना करना पड़ा। शहरी क्षेत्रो में जहां टीनशेड आदि को नुकसान हुआ तो वहीं ग्रामीण क्षेत्रो में कच्चे मकान, कवेलु आदि से निर्मित छते भी उड़ती हुई दिखाई दी जिसके चलते अनेको रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम जानकारों के अनुसार नौ तापा की समाप्ति के बाद तापमान में धीरे-धीरे कमी आने तथा प्री-मानसून गतिविधियों में वृद्धि होने की संभावना है। इससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। हालांकि विशेषज्ञों ने अभी भी धूप में निकलते समय सावधानी बरतने, पर्याप्त पानी पीने और लू से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी है। क्षेत्रवासियों को अब मानसून की पहली बारिश का इंतजार है, जिससे मौसम सुहावना होने के साथ किसानों को भी राहत मिलेगी। किसान अब अपने खेती के कार्यो में जुटते नजर आयेंगे।

समाज को सशक्त बनाने की दिशा मे सामाजिक लोगों ने प्रारंभ की अनूठी कारगर पहल..

जगप्रेरणा किरनापुर।

तहसील मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर मे सामाजिक लोगों द्वारा एक अनूठी एवं कारगर पहल को अमलीजामा पहनाने विशेष मुहिम चलाई जा रही है।

जिसके तहत सामाजिक लोगों ने एक विशेष बैठक बुलाकर विभिन्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श करते हुए समाज को सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूती प्रदान किए जाने हेतु किरनापुर ब्लॉक में स्थानीय स्तर पर प्रबुद्ध कार्यकर्ताओं ने एक मीटिंग का आयोजन किया।

इस मीटिंग में आकस्मिक रूप से पहुंचे राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक और महार बौद्ध समाज के प्रांतीय संयोजक सुनील मेश्राम ने बताया कि 31 मई 1936 को डॉक्टर बाबा साहेब आंबेडकर ने मुंबई के दादर स्थित नायगांव में 'क्षेत्र महार परिषद' (बांबे महार सोसायटी) एक विशाल सभा को सम्बोधित किया था जिसका उद्देश्य अपने जातिय समाज के दबे, पिछड़े, वंचित और शोषित लोगों को समानता का अधिकार दिलवाना था। 31 मई 1920 को मूक नायक पाक्षिक पत्रिका का प्रारंभ किया था। श्री मेश्राम जी ने बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा किए गए कार्य की महत्ता को इस तारीख से जोड़कर सामाजिक-आर्थिक उत्थान और विकास कार्य हेतु निर्मित की जाने वाली समिति के लिए प्रशासनिक और सामाजिक स्तर पर सामान्य नियम बताकर मार्गदर्शन और सुझाव प्रस्तुत किए।जिसमें समाज में आज तक किसी भी प्रकार का आर्थिक फन्ड नहीं होने पर प्रथम बार इसकी मुहिम चलाई गयी जिसके तहत प्रथम बैठक ग्राम पंचायत किरनापुर में 31/05/2026 को ली गई एवं सदस्यों द्वारा सहर्ष स्वीकार करते हुए इस ऐतिहासिक कार्य की नींव डाली गई।इस कार्य मे समाज के ही अन्य लोग सहयोगी बन सकते हैं। अपने सम्पूर्ण जीवन काल में सिर्फ1 बार आपको सदस्य बनना है एवं जीवन भर एवं आपके बाद आपके नामिनी भी इस पुनीत कार्य का हिस्सा बनेंगे।

उक्त कार्य को पारदर्शी बनाने हेतु एक समिति संगम कल्याण समिति किरनापुर का निर्माण किया गया है। जिसमें सर्व सम्मति से अध्यक्ष एन आर खांडेकर, उपाध्यक्ष एम आर बागड़े, रमाशंकर हिरकने, सचिव दुर्गेश भीमटे, कोषाध्यक्ष रोहिदास मेश्राम, सहसचिव हरीश चौरे, राकेश बोरकर, संरक्षक जे पी रामटेके, व्ही एन मेश्राम, सलाहकार एस सी वैद्य, बी आर डोंगरे, मार्गदर्शक गौतम भीमटे, लोकेश गेडाम, एस आर पटले, एवं वरिष्ठ सदस्यों ने राजेश वंजारी, जे के गेडाम, आशिक मेश्राम, संदीप नागवंशी, सरोज डोंगरे सहित अन्य लोग शामिल हैं।

समिति की बैठक प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को आयोजित होगी जिसमें समिति के आय -व्यय पर चर्चा, एवं समिति की आवश्यक रणनीति पर विचार किया जाएगा आपके सुझावों को इसमें शामिल किया जाएगा।समिति का मूल उद्देश्य चार बिन्दुओं पर होगा। जिसमें 1- शिक्षा ,2- स्वास्थ्य 3 स्वरोजगार 4- आकस्मिक सहायता। वही समिति की सदस्यता राशि जीवनकाल में एक बार देय होगी। सदस्यता राशि जमा होने पर समिति के सदस्य जिन्हें भी आवश्यकता हो वे इस राशि का उपयोग कर अपने व्यापार को मजबूत कर सकते हैं।

अपनी जरूरत को पूरा कर सकते हैं। तथा 6 माह के भीतर राशि वापस जमा करना अनिवार्य होगा। समिति राशि से उपरोक्त 4 बिन्दुओं पर कार्य करेगी। इसे और भी विस्तार से समझने हेतु समिति से जुड़कर हमे अपनी सहमति प्रदान कर सकते हैं।

संक्रामक रोगों की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया

जगप्रेरणा बेलगांव।

'हमारी दिशा, हमारा कदम' अभियान के अंतर्गत यशपाल स्वास्थ्य शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, बालाघाट द्वारा वाहक जनित एवं संक्रामक रोगों के रोकथाम एवं उन्मूलन के

लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। यह कार्यक्रम वर्ष 2026-27 के वाहक जनित रोग उन्मूलन अभियान के तहत 29 मई से 31 मई तक विकासखंड लालबर्रा के ग्राम नगपुरा, पाथरशाही एवं बेलगांव में आयोजित किया गया।

संस्थान संचालक डॉ. टी.पी. टेंभरे ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के दौरान ग्राम पंचायत क्षेत्रों में घर-घर जाकर लोगों को मच्छरों एवं अन्य वाहकों से फैलने वाले रोगों की रोकथाम के उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही गंदे पानी के जमाव वाले स्थानों को चिन्हित कर वहां लार्वा नाशक दवाओं का छिड़काव किया गया। सार्वजनिक स्थलों एवं घरों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा संक्रमण के प्रसार को रोकने संबंधी आवश्यक सुझाव भी ग्रामीणों को दिए गए।

उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को डेंगू, मलेरिया, फाइलेरिया, कालाजार एवं चिकनगुनिया जैसे रोगों के प्रति जागरूक करना तथा इनके नियंत्रण एवं बचाव के उपायों को जन-जन तक पहुंचाना है। यह अभियान आगामी दिनों में जिले के अन्य क्षेत्रों में भी निरंतर संचालित किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान ग्राम नगपुरा एवं पाथरशाही में सरपंच प्रतिनिधि जीवनलाल लिल्हारे, झामसिंह नागेश्वर, चंद्रभान गिरी गोस्वामी, विजय तरवरे, रोजगार सहायक सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे। वहीं बेलगांव में सरपंच अनिल उइके, आशीष चौधरी, सत्यम पारधी एवं धनेन्द्र पारधी ने अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई।

संपूर्ण अभियान का संचालन संस्थान सचिव डॉ. के.के. गौतम के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में किया गया। ग्रामीणों ने अभियान की सराहना करते हुए नियमित स्वच्छता एवं रोग नियंत्रण उपायों को अपनाने का संकल्प लिया।

मेहदुली में अवैध रेत भंडारण पर छापामार कार्रवाई, 50 ट्रॉली रेत जब्त

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार 01 जून 2026 को वारासिवनी तहसील के ग्राम

मेहदुली में राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने छापामार कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में अवैध रूप से भंडारित रेत जब्त की है।

उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि तहसीलदार वारासिवनी, राजस्व अमले, जिला खनिज विभाग बालाघाट, थाना रामपायली एवं पुलिस बल द्वारा संयुक्त रूप से ग्राम मेहदुली में खनिज रेत के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की जांच की गई। कार्रवाई के दौरान ग्राम मेहदुली स्थित खसरा क्रमांक 242 की निजी भूमि पर लगभग 50 ट्रॉली खनिज रेत धान के पैरा-पुआल के नीचे छिपाकर रखी हुई पाई गई। उक्त भूमि भू-स्वामी विद्या प्रकाश, ओम प्रकाश, ज्ञान प्रकाश एवं वेद प्रकाश पिता हरिकुमार निवासी मेहदुली की बताई गई है। जांच के दौरान यह रेत ज्ञान प्रकाश उर्फ पप्पू पटेल पिता हरिओम पटेल निवासी मेहदुली द्वारा भंडारित की गई पाई गई। मौके पर रेत भंडारण संबंधी कोई वैधानिक अनुमति अथवा आदेश प्रस्तुत नहीं किए जाने पर अधिकारियों ने नियमानुसार रेत को जब्त कर लिया।

जब्त रेत को ग्राम कोटवार की सुपुर्दगी में सुरक्षित रखवाया गया है। खनिज विभाग द्वारा बताया गया कि मामले में मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध रेत कारोबार में संलिप्त लोगों में हड़कंप की स्थिति देखी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनिज गतिविधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सोमग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 93290-33433

जग प्रेरणा साहित्य / अभिव्यक्ति

● संपादकीय ● लेख ● कविता ● व्यंग्य ● राजनीतिक टिप्पणी ● धार्मिक लेख ● सामाजिक लेख

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 94070 33433

क्षणिक स्वार्थ से नागरिक बोध तक : एक आवश्यक वैचारिक बदलाव की आवश्यकता

मनुष्य को पृथ्वी का सबसे बुद्धिमान और विवेकशील प्राणी माना जाता है। उसके पास सही और गलत, सत्य और असत्य, न्याय और अन्याय में अंतर करने की अद्भुत क्षमता है। हमारा अनुभव, शिक्षा, सामाजिक मूल्य और कानून इस विवेक को और निखारते हैं। इसके बावजूद, एक कड़वा और विचित्र सच यह है कि हममें से अधिकांश लोग अनेक गंभीर गलतियाँ जानबूझकर करते हैं। हम भली-भांति जानते हैं कि हमारा आचरण अनुचित है और इसके परिणाम आत्मघाती हो सकते हैं, फिर भी हम उन्हें बार-बार दोहराते हैं। आज के मशीनी और उपभोक्तावादी युग में यह केवल भारतीय समाज की समस्या नहीं है, बल्कि संपूर्ण वैश्विक मानव समाज की एक सहज प्रवृत्ति बन चुकी है। हाँ, भारत जैसे विशाल, घनी आबादी और सांस्कृतिक विविधताओं वाले देश में यह समस्या अधिक मुखर और स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।उदाहरण के लिए, हम सब जानते हैं कि ध्वनि प्रदूषण स्वास्थ्य के लिए कितना हानिकारक है। तेज हॉर्न, अनियंत्रित डीजे और लाउडस्पीकर का शोर बच्चों, वृद्धों, रोगियों और बेजुबान जानवरों को असहनीय पीड़ा देता है, साथ ही विद्यार्थियों की एकाग्रता को भंग करता है। इसके बावजूद, विवाह, धार्मिक आयोजनों और राजनीतिक रैलियों में हम ध्वनि की गरिमा और कानूनी मर्यादा को ताक पर रख देते हैं।

यही स्थिति पर्यावरण को लेकर भी है। सड़कों पर कूड़ा फेंकना, नदियों, तालाबों और पूजनीय जलाशयों में प्लास्टिक, रासायनिक अपशिष्ट और यहाँ तक कि पूजा-सामग्री बहा देना हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। हम जानते हैं कि भूजल, कोयला और पेट्रोलियम जैसे प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं, फिर भी हम उनका बेरहमी से दोहन करते हैं। ग्लोबल वार्मिंग (वैश्विक तापन) और जलवायु परिवर्तन के खतरों को रोज महसूस करने के बाद भी 'विकास' के मुखौटे के पीछे पेड़ों की अंधाधुंध कटाई जारी है, और समाज में इसके प्रति कोई सामूहिक पश्चाताप नहीं दिखता।

यातायात नियमों की स्थिति तो और भी चिंताजनक है। लाल बत्ती (रेड लाइट) पार करना, हेलमेट न लगाना, सीट बेल्ट से परहेज करना और 'रॉन्ग साइड' (गलत दिशा) में वाहन दौड़ाना, वाहन चलाते मोबाइल का उपयोग करना आदि को बहादुरी का प्रतीक मान लिया जाता है। प्रदूषण फैलाते वाहनों से पर्यावरण को बीमार करने में हमें कोई झिझक नहीं होती। त्रासदी यह है कि जब इन गलतियों के कारण कोई दुर्घटना होती है, तो हम अपनी जिम्मेदारी लेने के बजाय तुरंत व्यवस्था, प्रशासन या सड़कों को दोष देकर पल्ला झाड़ लेते हैं।

यही प्रवृति हमारे सामाजिक और नैतिक जीवन में भी दिखती है। झूठ बोलना, अनुचित लाभ उठाना, भ्रष्टाचार, कर चोरी (टैक्स चोरी), सार्वजनिक विमर्श में अभद्र भाषा का प्रयोग और धोखाधड़ी जैसे कृत्य अब समाज में सामान्य माने जाने लगे हैं। सवाल यह उठता है कि जब हमारी चेतना यह मानती है कि यह सब गलत है, तो फिर हमारा व्यवहार इसके ठीक उलट क्यों होता है?

मनोविज्ञानी और समाजशास्त्री इसके पीछे चार मुख्य कारण मानते हैं:

पहला,तात्कालिक लाभ की प्रवृत्ति मनुष्य का दिमाग दूरगामी नुकसान की तुलना में तत्काल मिलने वाले छोटे से लाभ को अधिक महत्व देता है। जैसे लाल बत्ती तोड़कर दो मिनट बचा लेने का 'तात्कालिक लाभ' उसे संभावित दुर्घटना के 'दूरगामी खतरे' से अधिक आकर्षक लगता है। पेड़ बेचकर तुरंत मिलने वाला पैसा, भविष्य के पर्यावरणीय संकट पर भारी पड़ जाता है। दूसरा, सामूहिक अनुकरण । जब लोग देखते हैं कि समाज में बहुसंख्यक लोग नियमों को तोड़ रहे हैं और उन्हें कोई टोकने वाला नहीं है, तो वे भी उसी राह पर चल पड़ते हैं। धीरे-धीरे यह सामूहिक अनाचार सामाजिक स्वीकृति पा लेता है। जैसे कचरा फेंकने वाला हर व्यक्ति यही सोचता है कि÷जब पूरी सड़क ही गंदी है, तो मेरे एक रैपर फेंकने से क्या फर्क पड़ जाएगा?÷तीसरा,दंड के भय का अभाव। जिन देशों में कानून का शासन कठोर और निष्पक्ष होता है, वहाँ नागरिक चाहकर भी नियम तोड़ने का साहस नहीं करते। इसके विपरीत, जहाँ लचर कानून व्यवस्था या 'प्रभाव' के दम पर बच निकलने का रास्ता खुला हो, वहाँ अपराधियों और नियम तोड़ने वालों का साहस बढ़ जाता है। चौथा,नैतिक शिक्षा और नागरिक बोध की कमी। जब हमारी शिक्षा व्यवस्था केवल उपाधियाँ (डिग्रियां) बांटने और रोजगार सुरक्षित करने का माध्यम बनकर रह जाती है, तो चरित्र निर्माण का मुख्य उद्देश्य पीछे छूट जाता है। ऐसे में हम साक्षर और तकनीकी रूप से सक्षम लोग तो तैयार कर लेते हैं, लेकिन एक जिम्मेदार 'नागरिक' गढ़ने में असफल हो जाते हैं।

भारतीय दर्शन में इस मानवीय भटकाव का उत्तर बहुत पहले दे दिया गया था। हमारे मनीषियों ने काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार (षड्रिपु) को तमाम गलतियों का मूल कारण बताया है। आधुनिक मनोविज्ञान भी इस बात की पुष्टि करता है कि आत्म-नियंत्रण की कमी और अनियंत्रित स्वार्थ ही मनुष्य से गलत निर्णय करवाते हैं।

मेरा ऐसा मानना है कि इस जटिल समस्या का समाधान केवल कड़े कानून बनाने या नए जुर्माने तय करने से नहीं होगा। इसके लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।व्यक्तिगत आचरण में सुधार, व्यापक सामाजिक जागरूकता, प्राथमिक स्तर से ही मूल्यों पर आधारित शिक्षा और बिना किसी भेदभाव के त्वरित व प्रभावी दंड व्यवस्था।जब तक हम यह आत्मसात नहीं करेंगे कि हमारी एक छोटी सी लापरवाही समाज, पर्यावरण और हमारी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को अंधकार में धकेल रही है, तब तक कोई सकारात्मक बदलाव संभव नहीं है।

वास्तव में, यक्ष प्रश्न यह नहीं है कि हम अनजाने में गलतियाँ क्यों करते हैं; प्रश्न तो यह है कि 'सही क्या है'—यह भली-भांति जानते हुए भी गलत करने का दुस्साहस हमारे भीतर कहाँ से आता है? जिस दिन हमारा आत्म-विवेक, हमारे क्षणिक स्वार्थ पर विजय प्राप्त कर लेगा, ठीक उसी दिन से एक स्वस्थ, समृद्ध और सभ्य समाज का पुनर्जन्म होगा।

लेखक

प्रो.मनमोहन प्रकाश

मुक्तक..

जात पात के नाम किसी को बाटो मत
धरम कर्म के नाम किसी को काटो मत
हिंदुस्तानी जितने भी है सब तो भाई हैं
मजहब के तुम नाम किसी को छाटों मत

डर लगता है खून की अब तो होली से
डर लगता है कटु कटु सी बोली से
हिंसा की राहों पर तुम क्यूँ चलते हो
डर लगता है बारूद मुझको गोली से

भूल गए क्या जो बुद्ध ने सिखलाया है
सत्य राह ही जिसने हमें दिखलाया है
बाईबिल गीता कुरान
एक सबका सार हुआ
करो जरा सम्मान यही तो बतालाया है

लेखक

किशोर छिपेश्वर 'सागर', बालाघाट

कनलों..

कनलों समझाँबें पियै, समझा मानें हार।
सबइ गिरस्ती पी लई, रोज होत तकरार।।

चोर चपेटत दै भगे, मानें ना बे हार।
कॉंलों भग है छेंक लो, लगौ पकर कें मार।।

सुनों सखी पीरा दिली, कनलों तुमें बताँय।
फिरें निठल्ले से पिया, घरै कछू नें ल्याँय।।

मौडा मूसर दोइ ठउ, कनलों हम समझाँय।
जलत जात उरजत फिरें, टन्टे नित मुड़याँय।।

पति पत्नी के बीच में, होत-होत तकरार।
आ गइ बात तलाक पै, काँ लों होत समार।।

रामानन्द पाठक नन्द

नारी के अनेक रूप..

'नारी' निम्न नहीं यह शब्द है भारी
जिसने यह मंडल (भूमंडल) रच डाली..
रस, अलंकार सब श्रृंगार की जननी
यह है रति, यही है पावन मंदाकनी..
रण में यह 'महारथी' जिसकी
गौरव गाथा अति..
बाजुओ पर बाजुबंध भी देखा
हार की जगह 'कवच' का भार भी
देखा हाथो में तलवार, तलवार में
तड़ीत धार भी देखा..
देखा अप्सरा कला की देवी
मैं नारी का युद्ध में ज्वाला रूप देखा
भक्ति में वैराग्या भी देखा
प्रेम में त्याग भी देखा, वात्सल्य
कोमल ह्रदय उदार भी देखा..
गुरु रूप में आँखों में तेज भी देखा
नारी के यह स्वरुप,
अनेक में भी एक
रूप, एक में भी अनेक रूप
मैने धरती पर ऐसा
दूजा 'ध्रुव' ना देखा..

लेखिका

छाया नानवटकर

हालत पतली..

नवतपा, चार दिन तपा
बाद में हो गया दफा।
सूरज तो है ही खफा
बादल हो गये बेवफा।

भीषण गर्मी से हालत
हो गयी सबकी पतली।
ना पंखे, कुलर काम करते
ना बरसती है बदली।

कई जगह है पानी की
देखी गयी भंयकर किल्लत।
केवल पानी के लिये ही
जिंदगी हो गई है जिल्लत।

गर्मी हर साल करती है
नये नये किर्तीमान पार।
सिंमेट का जंगल बढ़ता
गया तो है कौन जिम्मेदार?

लालच और विकास के
नाम पर कॉटे जा रहे वृक्ष।
लगाने के नाम पर दिखावा
यह है पर्दे के पिछे का पक्ष।

लेखक

चिरंजीव बिसेन
गोंदिया

शब्दवर्गपहेली क्र.- 181

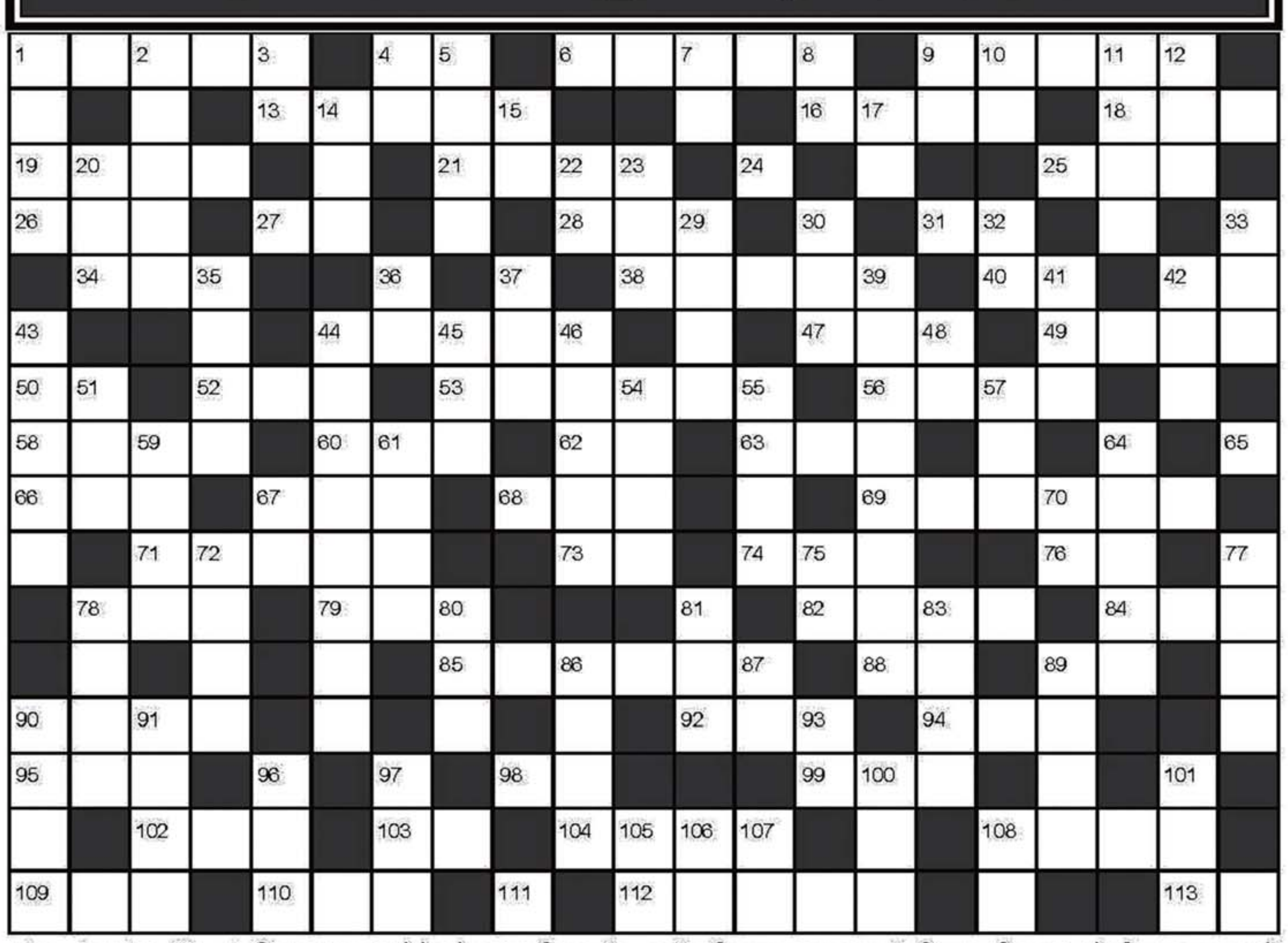

Åij I। ulp। !& 1) अखबार, टीवी या अन्य स्तोत्रोंद्वारा लोगों को जानकारी या सूचना के तरफ आकर्षित करने का कार्य 2) मृत्यू लोक 3) रक्षक, बचानेवाला 4) रामायण के नायक 5) खलबली, हलचल 7) समय, काल 8) मृतदेह 9) प्रतिज्ञा, इकरार 10) दरवाजा, दहलीज 11) भीषण कांड, दुर्घटना 12) निग्रह, दबाने या रोकने की क्रिया 14) मेघ, जल देनेवाला 15) केश पाश, बालों का गुच्छा 17) फाल्गुन महीने में होनेवाला रंगों का उत्सव 20) अमेरिका के एक भूतपूर्व राष्ट्राध्यक्ष 22) दर्जा, आबरु, लज्जा 23) अपने स्थान से सरकना, हटना 29) हर एक को उसका हिस्सा दे देना, बांटना 30) दिलीप कुमार और अनिल कपूर की एक फिल्म 32) निषध देश का राजा जो दमयंती का पति था 33) मां, उत्पन्न करनेवाली 35) दगा करनेवाला 36) बिजली गिरने का शब्द, गर्जन 37) शक, संदेह 39) अंग्रेजी जमाने में सायमन कमिशन हटाव आन्दोलन के नेता 41) विशेष प्रकार का गीत, अभिनेत्री रंजिता की एक फिल्म का नाम 42) सहारा, आश्रय 43) वास्तव में, असल में 44) राज कपूरद्वारा निर्देशित एक फिल्म जिसकी हीरोइन मंदाकिनी थी 45) बुद्धिमानी, स्वेच्छाचारी 46) जंगल में लकड़ी तोड़कर बेचनेवाला 48) पानी के बुंद की नीचे गिरने की आवाज 51) जंगम, चलायमान, चलनेवाला 54) हर जगह घुमनेवाला, आवारा 55) मन की मौज के अनुसार कार्य करनेवाला 57) आवरण, छिलका 59) विष्णुजी का एक नाम 61) मुंबई – हावड़ा रेल मार्ग पर महाराष्ट्र में स्थित एक बड़ा स्टेशन 64) आत्मीयता, अपना लगने का भाव 67) तन्मय, विलीन 70) नरक लोक के राजा 72) गतिशील चित्र, फिल्म 75) अभाव में 77) समाचार पत्र 78) चन्द्रमा 80) भीत, अमिताभ बच्चन और शशी कपूर की एक फिल्म 81) राज्ञी, महारानी 83) प्राचीन काल के एक गोत्रकार ऋषि 86) प्रदर्शन, दिखावा 87) निश्चित, पूरा किया हुआ, समाप्त 89) अभिज्ञता, परिचय 90) विश्वास 91) संगीत में संपूर्ण जाति का एक राग 93) पिता के पिता 96) सृष्टी का सर्वनाश, संहार 97) कृत्रिम जलमार्ग 100) बहुत बातें करनेवाला, वाक्पटू, बकवादी 101) पृथ्वी संबंधी, पृथ्वी से उत्पन्न 105) देह, शरीर 106) पदार्थ का वह गुण जो केवल आंखों से जाना जाता है 107) वृद्धावस्था, जरा 108) उत्सव, त्यौहार (जवाब अगले अंक में)

ck;। I। nk;। !& 1) विजय प्राप्त होने के बाद निकाली जानेवाली यात्रा 4) रजनी, निशा 6) पालन – पोषण 9) चर्चा, तर्क वितर्क, विचार विमर्श 13) आगरे का विश्वप्रसिद्ध मकबरा 16) आज्ञाकारी सेवक, नमकहलाल 18) सुंदर स्त्री 19) नदी या पहाड़ के आसपास की जमीन 21) लड़खड़ाता हुआ, अस्तव्यस्त 24) नहीं, निषेध 25) अनजान, मूर्ख 26) किसी भी खरीदी हुयी चीज के पैसे तुरंत देना 27) गन्धयुक्त एक द्रव जो मस्त हाथी के कनपटियों से बहता है 28) पाने की इच्छा 31) धर्म की दृष्टि से देने की क्रिया 34) पति की बहन 38) वह भवन जहां नाटक प्रस्तुत किया जाता है 40) बुरी आदत 42) सौगन्ध, प्रतिज्ञा 44) राजाओं का निवासस्थान 47) मस्तिष्क, माथा 49) देश या प्रान्त का वह प्रमुख शहर जहां से शासन संचालित होता है 50) खाने की चीज का स्वाद, रुची, द्रव 52) प्रेमी, पति, प्रणयी 53) बेईमान, कृतघ्न 56) किसी वस्तु को पकड़ने के लिये झट से आगे बढ़ना 58) आश्चर्य, अचंभा 60) कीर्तिमान, प्रभावशाली 62) भय, आशंका 63) मुसलमानोंद्वारा की गयी ईश्वर प्रार्थना 65) एक स्वीकृतिसूचक शब्द 66) फिल्म 'निकाह' से फिल्म जगत में आयी हुयी अभिनेत्री 67) एक नहाने का साबुन उत्पादन 68) इसलिए, अतः 69) पहचान पत्र 71) हिमालय की एक प्रसिद्ध चोटी 73) एक प्रकार की बहुत छोटी सरसों 74) जिंदा, प्राणयुक्त 76) निषिद्ध, वर्जित 78) सौम्य, ठंड़ा 79) अबोध, नासमझ 82) अप्रसन्नता 84) जांच, परीक्षा 85) वातानुकूलन की प्रक्रिया से जिसका तपमान नियमित एवं नियंत्रित किया गया हो 88) मृत्यु देवता 89) जानने का भाव, समझ 90) केवल एक 92) सरकारी नियम 94) अवलोकन, देखना 95) चंचल, चलायमान 98) बंधू, सहोदर 99) दावानल, जंगल में लगी हुयी आग 102) भुक्कड़, निर्धन 103) मार डालने की क्रिया, वध 104) दो पक्षोंद्वारा खेला जानेवाला एक दिमागी खेल 108) परीक्षा देनेवाला 109) धनवान, धनी 110) युद्ध के लिये पुकारना, आक्रमण 111) गऊ, गाय 112) वह व्यक्ति जिसका कार्य नगर में शांती और सुव्यवस्था रखना तथा उसकी रक्षा करना होता है 113) विभाग विशेष के कर्मचारियों की विशेष प्रकार की पोशाक

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

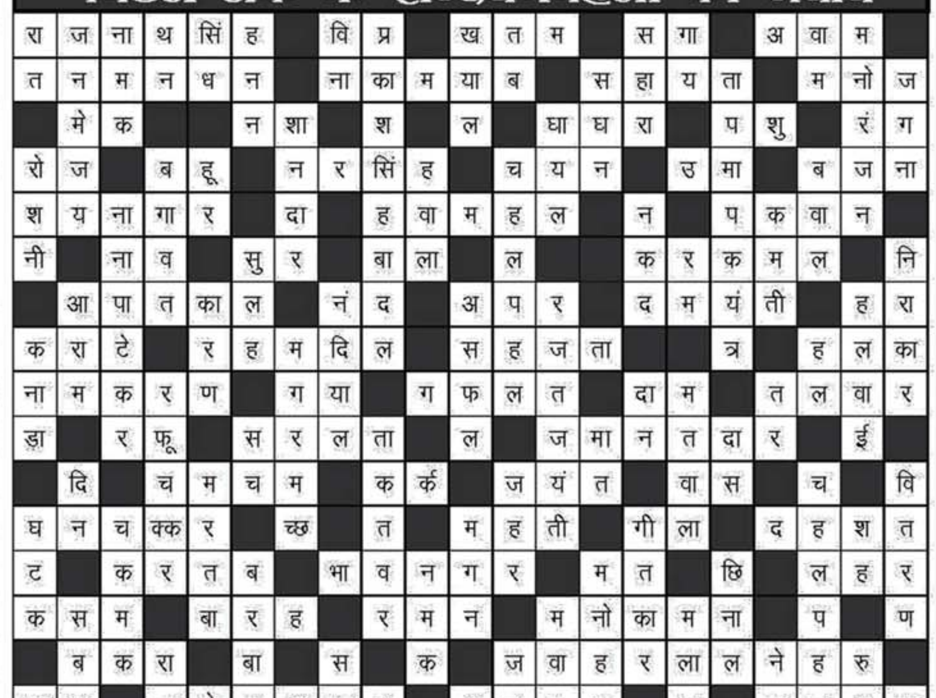

anumeya-08446302691

इंग्लैंड के खिलाफ महिला टी20 श्रृंखला जीतने के लिए भारतीय मध्यक्रम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

भारतीय टीम मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ मंगलवार को यहां तीसरे और निर्णायक महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में उतरेगी तो उसे दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष जैसी भरोसेमंद बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी,

ताकि टीम अपने मध्यक्रम की समस्याओं का समाधान तलाश सके। भारतीय टीम ने इस श्रृंखला का विजयी आगाज किया था, लेकिन इंग्लैंड ने दूसरा टी20 मुकाबला जीतकर शानदार वापसी की। इस महीने 12 जून से शुरू होने वाले महिला टी20 विश्व कप से पहले दोनों टीमें जीत के साथ अपना आत्मविश्वास बढ़ाना चाहेंगी।

भारतीय टीम के लिए यह श्रृंखला आगामी विश्व कप से पहले इंग्लैंड की परिस्थितियों में अपने सर्वश्रेष्ठ संयोजन को परखने का भी महत्वपूर्ण अवसर है। चोट से वापसी कर रहीं यास्तिका भाटिया ने पहले टी20 में अर्धशतकीय पारी खेली थी, लेकिन दूसरे मैच में वह तेजी से रन बनाने में नाकाम रहीं और 33 रन के निजी स्कोर पर रिटायर्ड आउट हो गईं। जेमिमा रोड्रिग्स ने भी एक अर्धशतक लगाया, जबकि स्मृति मंधाना और आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने दूसरे मैच में अच्छी शुरुआत की थी।

दोनों ही मुकाबलों में भारतीय टीम अंतिम पांच ओवरों में अपनी लय बनाए रखने में असफल रही। विशेष रूप से बड़े शॉट खेलने के लिए जानी जाने वाली ऋचा घोष अभी तक अपेक्षित प्रभाव नहीं छोड़ सकी हैं। पहले मैच में यास्तिका और जेमिमा की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने सात विकेट पर 188 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया था, जबकि 16वें से 20वें ओवर के बीच टीम केवल 40 रन ही जोड़ पाई थी।

दूसरे मैच में 169 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत एक समय एक विकेट पर 70 रन बनाकर मजबूत स्थिति में था, लेकिन अंतिम चरण में बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई और 16वें से 20वें ओवर के दौरान टीम ने पांच विकेट गंवाकर सिर्फ 28 रन बनाए। ऋचा को छोड़ दें तो भारतीय टीम में लंबे छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की संख्या सीमित है। ऐसे में कप्तान हरमनप्रीत कौर को पारी के अंत तक टिककर बल्लेबाजी करनी होगी और टीम के स्कोर को 190 से 200 रन के आसपास पहुंचाने की जिम्मेदारी उठानी होगी। महिला क्रिकेट में यह स्कोर अधिकांश मौकों पर मैच जिताने वाला साबित होता है। रोड्रिग्स ने महिला सुपर लीग में खेलने के अपने अनुभव का लाभ उठाने की उम्मीद जताते हुए कहा कि इस मैदान की पिच आम तौर पर बल्लेबाजों के लिए अनुकूल रहती है।

उन्होंने मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा, ÷मैं इससे पहले भी महिला सुपर लीग के दौरान यहां खेल चुकी हूं। उस समय मैंने यहां अच्छा प्रदर्शन करते हुए रन भी बनाए थे, इसलिए इस मैदान से मेरी अच्छी यादें जुड़ी हैं। जहां तक इस पिच और यहां की परिस्थितियों का सवाल है, यह बल्लेबाजी के लिए बेहद अच्छी पिच रहती है।' उन्होंने कहा, 'मैदान का आउटफील्ड काफी तेज है और गेंद बल्ले पर अच्छी तरह आती है। परिस्थितियों को देखते हुए शुरुआती दौर में गेंदबाजों को थोड़ी स्विंग मिल सकती है, लेकिन इसके अलावा यह पिच बल्लेबाजों के लिए काफी मददगार साबित होगी।' इंग्लैंड के लिए भी बल्लेबाजी भी चिंता का विषय रही है। दो मैचों में एमी जोन्स का 67 रन ही एकमात्र अर्धशतक रहा है। अन्य अनुभवी बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत तो की, लेकिन वे उसे बड़ी पारी में तब्दील करने और लंबे समय तक दबदबा बनाए रखने में सफल नहीं हो सकीं।

टीम इस प्रकार है।

भारत:

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फूलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नंदिनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव।

इंग्लैंड:

एम ओर्लोट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फिलर, एमी जोन्स, नैट साइवर-ब्रंट, पेज स्कोफील्ड, लिन्से स्मिथ, डैनी वाट हॉज, इसी वोंग। मैच भारतीय समयानुसार रात 11 बजे शुरू होगा।

फिर वापस लौट रही 2 सुपरहिट न्यूकमर्स की जोड़ी, पहली ही फिल्म से बॉक्स ऑफिस पर रच दिया था इतिहास, थियेटर में खूब रोई थी पब्लिक..

डेस्क जगप्रेरणा।

बीते साल रिलीज हुई फिल्म सैयारा ने बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा दिया था। इतना ही नहीं फिल्म ने पब्लिक को सिनेमाघरों में ही रोने पर मजबूर कर दिया था। साथ ही फिल्म के डेब्यू एक्टर्स अहान पांडे और अनीत पड्डा भी स्टार बन गए थे।

डायरेक्टर मोहित सूरी की ये जोड़ी लोगों को खूब पसंद आई थी और सुपरहिट रही थी। अब एक बार फिर खबर आ रही है कि ये न्यूकमर्स की जोड़ी फिर से पर्दे पर लौटने वाली है। खास बात ये है कि मोहित सूरी ही इस फिल्म को डायरेक्ट करने वाले हैं।

अक्तूबर में शुरू हो जाएगी शूटिंग..

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म की शूटिंग इसी साल अक्तूबर-नवंबर में शुरू होने वाली है। रिपोर्ट की मानें तो अनीत और अहान की जोड़ी एक बार फिर पर्दे पर नजर आने वाली है। इस फिल्म को लेकर भी मोहित सूरी ही डायरेक्ट करने वाले हैं। उम्मीद लगाई जा रही है कि ये फिल्म भी एक म्यूजिक लव स्टोरी रहने वाली है। फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है और निर्माता अक्टूबर-नवंबर में मुख्य शूटिंग शुरू करने का लक्ष्य रख रहे हैं। सैयारा के हिट होने के बाद टीम भी काफी उत्साहित है। फिलहाल, दोनों अभिनेता अपने-अपने प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। अहान पांडे अली अब्बास जफर की अगली फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं और जुलाई तक अपने हिस्से की शूटिंग पूरी करने की उम्मीद है। वहीं, अनीत पड्डा शक्ति शालिनी की शूटिंग में व्यस्त हैं। अपनी मौजूदा परियोजनाओं को पूरा करने के बाद, दोनों अभिनेता मोहित सूरी के रोमांटिक ड्रामा पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

म्यूजिकल लवस्टोरी के किंग हैं मोहित सूरी..

डायरेक्टर मोहित सूरी म्यूजिकल लवस्टोरी के मास्टर डायरेक्टर हैं। इससे पहले भी उन्होंने कमाल की फिल्में दी हैं और सुपरहिट रही हैं। बीते साल फिल्म सैयारा रिलीज हुई थी और लोगों ने खूब प्यार दिया था। इस फिल्म के जरिए अहान पांडे और अनीत पड्डा ने काम किया था और डेब्यू फिल्म से ही दोनों का करियर हिट हो गया है। ऐसे में दोनों के एक बार फिर से साथ आने की खबर से फैन्स भी काफी उत्साहित हैं और एक और नई कहानी का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि इस फिल्म की अभी तक आधिकारिक पुष्टी नहीं की गई है। अब देखना होगा कि मेकर्स इस फिल्म को लेकर कब अनाउंसमेंट करते हैं।

भोपाल में होटल चला रहे हैं अमिताभ बच्चन के साढ़ू भाई, 11 साल पहले छोड़ा बॉलीवुड, बताई इंडस्ट्री छोड़ने की वजह..

डेस्क जगप्रेरणा।

'मैंने प्यार किया' में सलमान खान के पिता की भूमिका में नजर आए राजीव वर्मा बॉलीवुड का जाना-माना नाम रहे हैं। एक समय पर उन्होंने कई हिट फिल्मों में काम किया, जिनमें 'हम दिल दे चुके सनम', 'हम साथ-साथ हैं', 'हिना', 'प्रेम', 'कर्ज' और 'चुनौती' जैसी फिल्में और टीवी शोज शामिल हैं।

लेकिन, इन बड़ी फिल्मों, बड़े स्टार्स और डायरेक्टर्स के साथ काम करने के बाद भी एक समय के बाद राजीव वर्मा ने फिल्म इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया। अब राजीव वर्मा भोपाल में रहकर होटल-थिएटर चला रहे हैं। दिग्गज अभिनेता ने अब अपने इस फैसले के बारे में खुलकर बात की और बताया कि आखिर उन्होंने इतनी लोकप्रियता के बाद भी बॉलीवुड और टीवी से दूरी क्यों बना ली।

राजीव वर्मा ने क्यों छोड़ा बॉलीवुड?

राजीव वर्मा ने 'डियर जनरेशन' से बातचीत के दौरान अपने करियर और एक्टिंग इंडस्ट्री से दूर होने की वजह बताई। राजीव ने इंडस्ट्री में ऐसे कई कलाकारों के साथ काम किया है, जो आगे चलकर बड़े स्टार बने। आमिर खान, सलमान खान से लेकर अक्षय कुमार तक के साथ स्क्रीन शेयर करने वाले राजीव वर्मा ने बताया कि जैसे-जैसे समय बीतता गया, उनके काम में बोरियत आने लगी थी। वहीं वो अपने परिवार के साथ समय भी बिताना चाहते थे। ऐसे में शांत जिंदगी जीने की चाह और परिवार के साथ समय बिताने के लिए वह अपने गृह नगर भोपाल लौट आए।

भोपाल में चलाते हैं होटल-थिएटर..

राजीव वर्मा अब अपने परिवार के साथ भोपाल में ही रहते हैं, जहां वह होटल और थिएटर चलाते हैं। इसी दौरान राजीव वर्मा ने अपने करियर के बारे में भी बात की और 'मैंने प्यार किया' से जुड़ा किस्सा भी साझा किया।

दिग्गज अभिनेता कहते हैं- 'मैंने प्यार किया मेरी पहली फिल्म थी। लेकिन, मैं तब तक टीवी का मशहूर चेहरा बन चुका था। मैंने प्यार किया से पहले मैं 'चुनौती' और 'मुजरिम हाजिर हो' जैसे टीवी शो कर चुका था। मुझे आज के समय में ज्यादातर लोग 'मैंने प्यार किया' में सलमान खान के पिता के तौर पर पहचानते हैं। अक्सर मुझसे लोग कहते हैं कि 'ओह आप तो सलमान खान वाली फिल्म में थे न?'

नौकरी के साथ किया अभिनय..

राजीव वर्मा आगे कहते हैं - 'मैंने कभी भी बड़े स्टार्स के साथ काम करने के बारे में नहीं सोचा था। कई एक्टर्स जिनके साथ मैंने काम किया, वो आगे चलकर बड़े स्टार बन गए। शुरुआती सालों में मैं अपनी नौकरी के साथ अभिनय को बैलेंस कर रहा था। लगभग 10 साल तक ऐसा ही चलता रहा, मैं अपनी रेगुलर नौकरी के साथ अभिनय करता रहा। लेकिन, फिर मैंने 1996 में पूरी तरह एक्टिंग का रुख कर लिया। लेकिन, सालों तक अभिनय के बाद मेरा उत्साह खत्म हो गया। इसकी एक वजह ये भी थी कि 'मैंने प्यार किया' में मैने एक अमीर पिता की भूमिका निभाई थी और ज्यादातर फिल्म मेकर मुझे इसी तरह की इमेज में देखने लगे। मुझे बार-बार एक ही तरह के किरदार ऑफर किए जा रहे थे।'

अमिताभ बच्चन के साढ़ू भाई हैं राजीव वर्मा..

बता दें, राजीव वर्मा का बच्चन परिवार से काफी करीबी नाता है। दरअसल, जया बच्चन की बहन रीता भादुड़ी की शादी राजीव वर्मा से हुई है। इस नाते वह अमिताभ बच्चन के साढ़ू भाई हुए। रीता खुद फिल्मों

और लाइमलाइट से दूर रहती हैं, लेकिन राजीव वर्मा इंडस्ट्री के सबसे मशहूर कलाकारों में से एक रहे हैं और 'हम दिल दे चुके सनम' से लेकर 'हिम्मतवाला', 'कोई मिल गया', 'चलते-चलते' जैसी फिल्मों में भी काम किया है।

आरसीबी के टिम डेविड आचार संहिता के उल्लंघन के लिए अगले आईपीएल सत्र में एक मैच से निलंबित..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज टिम डेविड पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन के कारण अगले सत्र में एक मैच का प्रतिबंध लगाया गया है।

इसके अलावा उन पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया है। आईपीएल की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया के 30 वर्षीय खिलाड़ी को इस उल्लंघन के लिए दो डिमेरिट अंक दिए गए हैं। इसके साथ ही उनके कुल डिमेरिट अंक बढ़कर पांच हो गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें एक मैच के लिए निलंबित किया गया है। यह इस सत्र में तीसरी बार है, जब डेविड आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के दोषी पाए गए हैं। रविवार को समाप्त हुए टूर्नामेंट में आरसीबी ने फाइनल में गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया था। आईपीएल की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाज टिम डेविड पर खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए निर्धारित आईपीएल आचार संहिता के 'लेवल-एक' उल्लंघन के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। साथ ही उन्हें दो डिमेरिट अंक भी दिए गए हैं।' बयान में कहा गया, 'डेविड को आचार संहिता के अनुच्छेद 2.9 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो मैच के दौरान किसी खिलाड़ी, टीम अधिकारी, अंपायर, मैच रेफरी या अन्य व्यक्ति की ओर अनुचित अथवा खतरनाक तरीके से गेंद या क्रिकेट उपकरण (जैसे पानी की बोतल आदि) फेंकने से संबंधित है।' डेविड ने उल्लंघन स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ द्वारा निर्धारित सजा को भी मान लिया। डेविड को मैदान पर मौजूद अंपायर नितिन मेनन की दिशा में आक्रामक तरीके से आइस बैग फेंकने का दोषी पाया गया था। यह घटना पहली पारी के 10वें ओवर में विकेट गिरने के बाद हुई थी। इससे पहले 11 मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफमैच के बाद डेविड को अनुच्छेद 2.6 के उल्लंघन का दोषी पाया गया था। यह अनुच्छेद अशोभनीय, अपमानजनक अथवा आपत्तिजनक इशारों के इस्तेमाल से संबंधित है। उस मामले में उन पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया था और दो डिमेरिट अंक दिए गए थे।

वहीं, 13 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ एक अन्य मैच में अंपायर के निर्देशों की अवहेलना करने के कारण उन्हें अनुच्छेद 2.4 के तहत दोषी पाया गया था। उस समय उन पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया था और एक डिमेरिट अंक दिया गया था।

सेरेना विलियम्स 44 वर्ष की उम्र में पेशेवर टेनिस में वापसी को तैयार..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

अमेरिका की दिग्गज सेरेना विलियम्स लगभग चार वर्ष तक खेल से दूर रहने के बाद 44 साल की उम्र में आगामी क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट से पेशेवर टेनिस में वापसी करेंगी। तेईस बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन

सेरेना इस ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट में युगल वर्ग के जरिए प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करेंगी। डब्ल्यूटीए ने सोमवार को घोषणा की कि सेरेना ने टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड स्वीकार कर लिया है। क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट अगले सोमवार से शुरू होगा। उनके युगल जोड़ीदार के नाम की हालांकि घोषणा अभी नहीं की गई है। सेरेना ने पिछली बार 2022 यूएस ओपन में प्रतिस्पर्धी मुकाबला खेला था। उस समय उन्होंने टेनिस को अलविदा कहने की बात तो की थी, लेकिन 'संन्यास' शब्द का इस्तेमाल करने से बचते हुए कहा था कि वह टेनिस से आगे बढ़ रही हैं।

सेरेना 23 ग्रैंड स्लैम एकल खिताबों के अलावा 14 ग्रैंड स्लैम युगल खिताब भी जीत चुकी हैं। उन्होंने फरवरी में प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी के लिए पात्रता हासिल की थी। इसके लिए उन्होंने छह महीने पहले अनिवार्य डोपिंग रोधी कार्यक्रम में दोबारा पंजीकरण कराया था, जो वापसी की दिशा में पहला कदम माना जाता है। ग्रास कोर्ट पर वापसी के बाद यह अटकलें भी तेज हो गई हैं कि सेरेना विंबलडन में भी खेल सकती हैं, जिसकी शुरुआत 28 जून से होगी। वह विंबलडन में सात बार एकल खिताब जीत चुकी हैं। सेरेना ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी बेटी के साथ हार्ड कोर्ट पर अभ्यास करते हुए एक वीडियो साझा किया था। उनकी दूसरी बेटी का जन्म 2023 में हुआ था। दिलचस्प बात यह है कि पिछले वर्ष जब उनके डोपिंग परीक्षण पूल में शामिल होने की खबर सामने आई थी, तब उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'मैं वापसी नहीं कर रही हूं, यह अफवाह काफी बढ़ गई है।'

आरसीबी के लिए इस सीजन सबसे ज्यादा रन किसने बनाए, 2 ही बल्लेबाज निकले 500 के पार..

डेस्क जगप्रेरणा।

आरसीबी ने एक बार फिर से आईपीएल का खिताब अपने नाम कर इतिहास बना दिया है। वैसे तो जब कोई टीम किसी टूर्नामेंट में चैंपियन बनती है तो ये पूरी टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करती है,

लेकिन फिर भी कुछ खिलाड़ी ऐसे जरूर होते हैं, जिसकी भूमिका बड़ी होती है। इस साल आरसीबी के लिए सबसे ज्यादा रन विराट कोहली ने बनाए हैं। केवल दो ही बल्लेबाज 500 का आंकड़ा पार कर पाए हैं। चलिए जरा देखते हैं इस साल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज कौन से हैं।

विराट कोहली ने बनाए 600 से अधिक रन, रजत पाटीदार भी 500 के पार..

विराट कोहली ने इस साल के आईपीएल में 16 मैच खेलकर 675 रन बनाए हैं। एक बार तो वे ऑरेंज कैप की रेस में भी आ गए थे, लेकिन टूर्नामेंट खत्म होते होते बाकी बल्लेबाज उनसे आगे निकल गए। हालांकि इसके बाद भी उनका टॉप 5 में है। इसके बाद दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रजत पाटीदार रहे, जो आरसीबी के कप्तान भी हैं। उन्हीं की कप्तानी में आरसीबी ने बैक टू बैक दो बार ट्रॉफी जीती है। रजत पाटीदार ने 15 मैच खेलकर 501 रन बनाए हैं। इन दो के अलावा आरसीबी का और कोई भी बल्लेबाज 500 का आंकड़ा पार नहीं कर पाया।

देवदत्त पडिक्कल और टिम डेविड का भी योगदान..

इन दो के बाद तीसरे नंबर पर देवदत्त पडिक्कल का नाम आता है। जिन्होंने 16 मैच खेलकर 464 रन बनाए हैं। इसके बाद टिम डेविड हैं, जिन्होंने 16 मैच खेलकर 305 रन अपने नाम किए हैं। रनों के मामले में बाकी किसी बल्लेबाज का बहुत बड़ा योगदान नहीं रहा।

भुवनेश्वर कुमार ने आरसीबी के लिए झटके सबसे ज्यादा विकेट..

इस बीच विकेट लेने के मामले में भुवनेश्वर कुमार ने बाजी मारी है। उन्होंने 16 मैच खेलकर 28 विकेट चटकाए। वे पर्पल कैप जीतने से एक विकेट से चूक गए। 29 विकेट लेकर गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाड़ा ने पर्पल कैप जीत ली।

रसिख सलाम दार ने 12 मैच खेलकर ही 19 विकेट चटका दिए। जोश हेजलवुड ने भी 13 मैच खेले और 15 विकेट चटकाए। हालांकि बाकी गेंदबाजों भी कमाल की गेंदबाजी कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका अदा की, उन्हें कम करके नहीं आंका जा सकता। देखना होगा कि अगले सीजन टीम अब कैसा प्रदर्शन करने में कामयाब होती है, उस पर नजर रहेगी।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता

रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस

मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 9890696200

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता लागू; कपड़ा, रत्न और आभूषण क्षेत्र को मिलेगी शुल्क मुक्त पहुंच..

नई दिल्ली, (भाषा)।

भारत और ओमान के बीच मुक्त व्यापार समझौता सोमवार से लागू हो गया। इसके तहत वस्त्र, इंजीनियरिंग उत्पाद, रत्न और आभूषण समेत भारत के 99 प्रतिशत निर्यात को ओमान के बाजार में शुल्क-मुक्त

प्रवेश मिलेगा और पेशेवरों को आवागमन की बेहतर सुविधा का लाभ होगा। दूसरी ओर, भारतीय उपभोक्ताओं को ओमान से सस्ते खजूर मिलेंगे क्योंकि समझौते के तहत कोटा-आधारित शुल्क रियायतें लागू होंगी।

ओमान के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) का कार्यान्वयन महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिकी-ईरान युद्ध के कारण भारतीय निर्यातकों को खाड़ी देशों में माल भेजने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

छह खाड़ी देश ओमान, बहरीन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात हैं। भारत ने अपनी कुल 12,556 'टैरिफलाइन' में से 77.79 प्रतिशत पर शुल्क रियायतें दी हैं। यह मूल्य के हिसाब से ओमान से भारत के आयात का 94.81 प्रतिशत है।

ओमान के लिए निर्यात के लिहाज से महत्वपूर्ण और भारत के लिए संवेदनशील उत्पादों के लिए, प्रस्ताव मुख्य रूप से शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) आधारित शुल्क उदारीकरण है। इसमें खजूर, मार्बल और पेट्रोरसायन उत्पाद शामिल हैं।

व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता मूल्य के हिसाब से भारत के ओमान को होने वाले 99.38 प्रतिशत निर्यात के लिए शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करता है, जिसमें ओमान की 98.08 प्रतिशत 'टैरिफलाइन' शामिल हैं। मुक्त व्यापार समझौते पर 18 दिसंबर, 2025 को मस्कट में हस्ताक्षर किए गए थे।

दोनों पक्षों द्वारा आंतरिक प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद, समझौता एक जून, 2026 से प्रभावी हो गया। समझौते के लागू होने के अवसर पर, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई से कृषि और रत्न एवं आभूषण उत्पादों की लगभग 10 खेप तरजीही दरों के तहत खाड़ी देश को भेजी गईं।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा, ''भारत के 99.38 प्रतिशत निर्यात को शुल्क-मुक्त पहुंच मिलने से, यह समझौता हमारे निर्यातकों और पेशेवरों के लिए नए अवसर खोलता है। ओमान हमारा भरोसेमंद साझेदार है और खाड़ी देशों तथा पूर्वी अफ्रीका का प्रवेश द्वार है।''

उन्होंने कहा कि श्रम-प्रधान क्षेत्रों को महत्वपूर्ण लाभ पहुंचाकर, यह समझौता रोजगार सृजन में सहयोग देगा, निवेश को बढ़ावा देगा और भारतीय उद्यमों को उन देशों के आपूर्तिकर्ताओं के साथ समान स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाएगा जिन्हें तरजीही बाजार पहुंच प्राप्त है।

भारत और ओमान के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2025-26 में 11.18 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 10.61 अरब डॉलर था।

मंत्री ने कहा कि इस समझौते से सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई), विनिर्माण और रोजगार को उल्लेखनीय गति मिलने की उम्मीद है। इससे रत्न एवं आभूषण, वस्त्र, चमड़ा, जूते, समुद्री उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ और औषधि जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ेगी। श्रम-प्रधान वस्तुओं पर पहले ओमान में पांच प्रतिशत आयात शुल्क लगता था। ओमान में आयात शुल्क पांच से 100 प्रतिशत के बीच है।

सोहार, दुक्म और सलालाह में स्थित ओमान के रणनीतिक लॉजिस्टिक केंद्र भारतीय निर्यातकों को जीसीसी (खाड़ी सहयोग परिषद) और पूर्वी अफ्रीकी बाजारों तक बेहतर पहुंच प्रदान करते हैं। सभी शून्य शुल्क रियायतें तत्काल प्रभाव से लागू हो रही हैं। जिससे भारतीय निर्यातकों को निश्चितता और प्रतिस्पर्धी क्षमता प्राप्त होगी।

वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत 42 रुपये बढ़ी, छोटा सिलेंडर 11 रुपये महंगा

नई दिल्ली, (भाषा)।

होटल, रेस्तरां एवं ढाबों में इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी के अलावा पांच किलो वाले छोटे सिलेंडर के दाम सोमवार को बढ़ा दिए गए, जबकि घरेलू रसोई गैस के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया।

उद्योग सूत्रों के मुताबिक, 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत 42 रुपये बढ़कर दिल्ली में 3,113.50 रुपये हो गई, जबकि पहले इसकी कीमत 3,071.50 रुपये थी।

इससे पहले एक मई को वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के दाम में 993 रुपये की भारी बढ़ोतरी की गई थी। वहीं, पांच किलोग्राम वाले छोटे गैस सिलेंडर की कीमत भी 11 रुपये बढ़कर 821.50 रुपये हो गई है।

हालांकि, घरेलू उपभोक्ताओं को राहत देते हुए 14.2 किलोग्राम वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 913 रुपये पर स्थिर रखी गई है। इसमें आखिरी बार मार्च की शुरुआत में 60 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी। पेट्रोलियम विपणन कंपनियां हर महीने कीमतों की समीक्षा करती हैं और विभिन्न राज्यों में मूल्य-वर्धित कर (वैट) जैसे स्थानीय करों के कारण दरें अलग-अलग हो सकती हैं।

सरकारी सूत्रों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस कीमतें बढ़ने के बावजूद घरेलू एलपीजी के दाम स्थिर रखे गए हैं ताकि उपभोक्ताओं पर बोझ न पड़े। हाल के महीनों में 14.2 किलोग्राम सिलेंडर की आपूर्ति लागत में करीब 40 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के लाभार्थियों को प्रति सिलेंडर 300 रुपये की सब्सिडी मिलती है, जिससे उन्हें सिलेंडर करीब 613 रुपये में मिलता है जबकि इसकी आपूर्ति लागत करीब 1,200 रुपये है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रोपेन की कीमत अप्रैल में 38 प्रतिशत बढ़ गई। इसके बावजूद भारत में घरेलू गैस की कीमतें क्षेत्र के अन्य देशों की तुलना में निचले स्तर पर बनी हुई हैं।

हालांकि, इस राहत की कीमत सरकार और पेट्रोलियम कंपनियों को उठानी पड़ी है। वित्त वर्ष 2024-25 में घरेलू एलपीजी पर सरकारी तेल कंपनियों को 41,338 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था जो 2025-26 में बढ़कर करीब 60,000 करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान है।

सरकार ने इसका कुछ बोझ कम करने के लिए चालू वित्त वर्ष में सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों के लिए 30,000 करोड़ रुपये की सहायता राशि मंजूर की है।

बीते वित्त वर्ष में भारत का समुद्री खाद्य निर्यात रिकॉर्ड ऊंचाई पर: अधिकारी..

कोच्चि, (भाषा)।

एमपीईडीए के चेयरमैन पी. जवाहर ने सोमवार को बताया कि वर्ष 2025-26 के दौरान वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, भारत का समुद्री खाद्य निर्यात- मात्रा और मूल्य, दोनों ही मामलों में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया।

यह 19,72,018 टन तक पहुंच गया, जिसका मूल्य 73,890.46 करोड़ रुपये (8.46 अरब डॉलर) था। कोच्चि स्थित समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है। इसका उद्देश्य समुद्री उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना और उसे विनियमित करना है।

एमपीईडीए के आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के दौरान अमेरिका और चीन भारतीय समुद्री खाद्य के सबसे बड़े आयातक बने रहे, जबकि फ्रोजन झींगा (जमे हुए झींगा मछली) निर्यात का सबसे प्रमुख उत्पाद बना रहा।

एक बयान में कहा गया है कि फ्रोजन झींगा ने 49,037.93 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। यह कुल निर्यात की मात्रा का 40.19 प्रतिशत और समुद्री खाद्य वस्तु निर्यात से होने वाली कुल डॉलर आय का 66.52 प्रतिशत था।

वर्ष 2025-26 के दौरान, भारत ने 7,92,647 टन जमे हुए झींगा मछली का निर्यात किया। झींगा के निर्यात में रुपये के संदर्भ में 13.16 प्रतिशत और डॉलर के संदर्भ में 8.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। बयान में आगे कहा गया है कि फ्रोजन झींगा के लिए अमेरिका सबसे बड़ा बाजार बना रहा, जिसने 2,56,128 टन का आयात किया। इसके बाद चीन (1,69,505 टन), यूरोपीय संघ (1,35,599 टन), दक्षिण पूर्व एशिया (83,810 टन), जापान (40,776 टन), पश्चिम एशिया (30,478 टन) और अन्य देशों (76,351 टन) का स्थान रहा।

जवाहर ने बताया कि एल वन्नामेई (व्हाइटलेग झींगा) और ब्लैक टाइगर झींगा के निर्यात में मात्रा और मूल्य, दोनों ही मामलों में वृद्धि दर्ज की गई। जमी हुई मछली दूसरा सबसे बड़ा निर्यात सामग्री थी, जिससे 5,658.37 करोड़ रुपये की कमाई हुई, जबकि सूखे उत्पाद तीसरी सबसे बड़ी निर्यात श्रेणी के रूप में उभरे, जिनसे 5,079.09 करोड़ रुपये की कमाई हुई। सूखे उत्पादों के निर्यात में रुपये के मूल्य के हिसाब से 78.05 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

सरकार ने अल नीनो की तैयारी तेज की, फसल निगरानी समूह बनाए..

नई दिल्ली, (भाषा)।

अल नीनो के कारण सामान्य से कम मानसून के पूर्वानुमानों के बीच केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि कृषि मंत्रालय ने खरीफफसलों पर होने वाले जोखिमों को कम करने के लिए फसल-मौसम निगरानी और संकट प्रबंधन समूह बनाए हैं, साथ ही राज्य सरकारों को एक संकट प्रबंधन योजना भी भेजी है।

पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों के संदर्भ में हुई अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता में, भोजन और उर्वरक सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर भी चर्चा की गई।

राज्यों से कहा गया है कि वे बीजों का एक प्रतिशत आरक्षित रखें, जिसमें कम और मध्यम अवधि वाली किस्मों पर विशेष जोर दिया जाए।

खरीफ मौसम के लिए उर्वरक का स्टॉक, जरूरत का 51 प्रतिशत है – जो कि पारंपरिक रूप से रखे जाने वाले 33 प्रतिशत से काफी ज्यादा है। ऐसा पहले से स्टॉक करने और बेहतर लॉजिस्टिक प्रबंधन के कारण संभव हुआ है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग का दक्षिण-पश्चिम मानसून का ताजा पूर्वानुमान सामान्य मानसून का लगभग 90 प्रतिशत है, जो एक सामान्य से कम सत्र और फसलों पर बढ़ते जोखिम के दबाव का संकेत देता है। यह स्थिति तब और गंभीर हो सकती है, जब सत्र के बाद के हिस्से में अल नीनो की स्थितियां और मजबूत हो जाएं।

खाद्य और उपभोक्ता मामले मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव अनुपम मिश्रा ने कहा, ''एक फसल-मौसम निगरानी समूह बनाया गया है, जो हर सोमवार को बारिश के रवैये, बुवाई की प्रगति, जलाशयों की स्थिति, जरूरी चीजों की उपलब्धता, कीटों के प्रकोप और कीमतों के रुझान का अध्ययन करने के लिए बैठक करता है।'' राहत आयुक्तों और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों को मिलाकर एक अलग संकट प्रबंधन समूह भी बनाया गया है।

कृषि मंत्रालय आईसीएआर के सहयोग से जिला-स्तरीय आकस्मिक योजनाएं तैयार कर रहा है, और मानसून की तैयारियों को लेकर राज्य के अधिकारियों के साथ नियमित रूप से वीडियो-कॉन्फ्रेंस के जरिये बातचीत कर रहा है।

अल नीनो के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, कृषि मंत्रालय ने उर्वरक की मांग के अनुमान को कम कर दिया है। खरीफफसल वर्ष 2026-27 के लिए यूरिया की मांग 194 लाख टन रहने का अनुमान है, जो पहले के अनुमान से चार लाख टन कम है। वहीं, डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की मांग में छह लाख टन की कटौती की गई है, जिससे यह अब 60 लाख टन रह गई है। उर्वरक मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव अपर्णा एस. शर्मा ने बताया कि पश्चिम एशिया संकट के बाद, घरेलू स्तर पर उर्वरक का उत्पादन 104.81 लाख टन रहा और 27.62 लाख टन का आयात किया गया।

इस तरह, कुल मिलाकर उपलब्ध स्टॉक में लगभग 132.43 लाख टन की बढ़ोतरी हुई है। देश ने होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर के स्रोतों से 25 लाख टन यूरिया और 50 लाख टन डीएपी भी हासिल कर लिया है, जिसके जून-जुलाई में आने की उम्मीद है। 70 लाख टन यूरिया के लिए एक वैश्विक निविदा अभी जारी किये जाने की प्रक्रिया में है।

खाद्य सुरक्षा के मोर्चे पर, एक जुलाई तक गेहूं का स्टॉक 513 लाख टन था, जबकि बफर नियम के अनुसार यह 275 लाख टन होना चाहिए। वहीं चावल का स्टॉक 397 लाख टन था, जबकि नियम के अनुसार यह 135 लाख टन होना चाहिए। यह जानकारी खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामले मंत्रालय की संयुक्त सचिव सी. शिखा ने दी।

मिश्रा ने आगे बताया कि अनाज, दालों और चीनी की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं, जबकि आलू, प्याज और टमाटर की कीमतें एक दायरे में हैं। जरूरी चीजों की कीमतों में कोई असामान्य उतार-चढ़ाव देखने को नहीं मिला है।

खाद्य तेल की उपलब्धता पर्याप्त बनी हुई है। इसे इंडोनेशिया और मलेशिया (पाम तेल), रूस और यूक्रेन (सूरजमुखी तेल), तथा अर्जेंटीना और ब्राजील (सोयाबीन तेल) से होने वाले नियमित आयात से मदद मिल रही है।

सरकार ने 17 लाख टन यूरिया आयात के लिए दूसरी वैश्विक निविदा जारी की

नई दिल्ली, (भाषा)।

वैश्विक कीमतों में भारी बढ़ोतरी के बावजूद सरकार ने खरीफसत्र के लिए घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के उद्देश्य से 17 लाख टन यूरिया के आयात के लिए दूसरी वैश्विक निविदा जारी की है। उर्वरक मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

उर्वरक मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव अपर्णा एस. शर्मा ने पश्चिम एशिया के हालिया घटनाक्रमों पर आयोजित अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि यूरिया की वैश्विक कीमत फरवरी में 447 डॉलर प्रति टन से बढ़कर अब 947 डॉलर प्रति टन हो गई है।

देश ने होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर के स्रोतों से 25 लाख टन यूरिया और 50 लाख टन डीएपी (डाई-अमोनियम फॉस्फेट) हासिल किया है, जिसकी खेप जून-जुलाई में पहुंचने की उम्मीद है।

शर्मा ने कहा, ''हमने 17 लाख टन यूरिया के लिए एक वैश्विक निविदा भी जारी की है, जिस पर अभी काम चल रहा है... यह खरीफ सत्र के लिए दूसरी निविदा है। इस वैश्विक निविदा में कीमत अभी तय होना बाकी है।''

पश्चिम एशिया संकट के बीच, घरेलू उर्वरक उत्पादन 104.81 लाख टन रहा, जबकि आयात 27.62 लाख टन रहा। इस प्रकार कुल उपलब्ध उर्वरक की मात्रा बढ़कर लगभग 132.43 लाख टन हो गई।

अल नीनो के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, कृषि मंत्रालय ने राज्य सरकारों के परामर्श से उर्वरक की मांग के अनुमानों को संशोधित करते हुए उन्हें कम कर दिया है।

उन्होंने आगे बताया कि खरीफ 2026-27 सत्र के लिए यूरिया की मांग 194 लाख टन अनुमानित की गई है, जो पहले के अनुमान से चार लाख टन कम है। वहीं, डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की मांग में 6 लाख टन की कटौती करते हुए इसे 60 लाख टन निर्धारित किया गया है।

भारत के कुछ हिस्सों में खरीफ (गर्मी) की बुवाई अभी शुरू हुई है, लेकिन यह अभी भी बहुत शुरुआती चरण में है। जिन क्षेत्रों में मानसून-पूर्व वर्षा हो चुकी है, वहां किसानों ने जल्दी बुवाई (विशेष रूप से दलहनों, मोटे अनाजों और कुछ कपास जैसी कम अवधि वाली फसलों की) के लिए खेतों को तैयार करना शुरू कर दिया है।

सरकार ने प्याज के बफर स्टॉक के लिए खरीद कीमत 24 प्रतिशत बढ़ायी

नई दिल्ली, (भाषा)।

सरकार ने बाजार की स्थितियों और किसानों के हितों की रक्षा के लिए अपने बफर स्टॉक कार्यक्रम के तहत प्याज की खरीद कीमत 24.4 प्रतिशत बढ़ाकर 15.80 रुपये प्रति किलो कर दी है। खाद्य और उपभोक्ता

मामले मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव अनुपम मिश्रा ने सोमवार को एक अंतर-मंत्रालयी संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हमने प्याज की खरीद कीमत 12.70 रुपये प्रति किलो से बढ़ाकर 15.80 रुपये प्रति किलो कर दी है।''

मौजूदा सत्र के लिए प्याज की खरीद 15 मई को शुरू हुई थी, और संशोधित कीमत 22 मई को अधिसूचित की गई थी। बाजार में हस्तक्षेप के उद्देश्य से, मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के तहत हर साल बफर स्टॉक बनाए जाते हैं। सरकार ने इस वर्ष के लिए दो लाख टन खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो 2025-26 में खरीदे गए तीन लाख टन से कम है।

दलहनों के मोर्चे पर, मिश्रा ने बताया कि मई में बफर स्टॉक अपने अब तक के उच्चतम स्तर 43 लाख टन पर पहुंच गया है, जो मई 2025 में दर्ज 18 लाख टन से दोगुने से भी अधिक है। यह मई 2024 के 21 लाख टन से काफी ऊपर है।

मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत खरीद के परिणामस्वरूप अब तक 5.34 लाख टन अरहर और 20.35 लाख टन चना खरीदा गया है। इस योजना के तहत खरीद तब शुरू की जाती है जब मंडी की कीमतें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से नीचे गिर जाती हैं।

घरेलू उत्पादन में वृद्धि के कारण आयात पर निर्भरता कम हुई है। दालों का आयात 2025-26 में लगभग 30 प्रतिशत घटकर 60 लाख टन रह गया जो एक साल पहले 73 लाख टन था। चने का आयात भी 51 प्रतिशत घटकर वर्ष 2024-25 के 15.06 लाख टन से काफी नीचे आ गया। वहीं दालों के लिए मुक्त आयात नीति अभी भी लागू है। मिश्रा ने बताया कि दालों की आपूर्ति करने वाले प्रमुख देश... म्यांमा, तंजानिया, मलावी, मोजाम्बिक, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्राजील... पश्चिम एशिया की स्थिति से सीधे तौर पर प्रभावित नहीं हैं, जिससे आपूर्ति से जुड़े जोखिम सीमित हो जाते हैं।

जग प्रेरणा

देश विदेश

● म.प्र. ● महाराष्ट्र ● छ.ग. ● उड़ीसा ● राजस्थान ● गुजरात ● दिल्ली ● हरियाणा ● पंजाब ● जम्मु कश्मीर

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

कटक के मछली बाजार में भयंकर आग, 50 लाख नकद राशि जलकर स्वाहा, बैंक शाखा भी चपेट में..

डेस्क जगप्रेरणा।

ओडिशा के कटक शहर में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात एक भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। प्रेस चौक के पास स्थित मछली बाजार में लगी इस आग ने देखते ही देखते पूरे बाजार को अपनी चपेट में ले लिया।

आग इतनी भयावह थी कि पूरा बाजार जलकर राख हो गया और लाखों रुपये की संपत्ति नष्ट हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस घटना में 50 लाख रुपये से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

आग बुझाने के लिए रोबोटिक फायर फाइटिंग वाहन मंगाया..

आग रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात करीब 1 से 2 बजे के बीच लगी। आग लगने के बाद कुछ ही समय में उसने पूरे मछली बाजार और उससे जुड़े गोदामों को अपनी चपेट में ले लिया। आसपास मौजूद लोगों ने जब आग की लपटें और धुआं उठता देखा तो तुरंत दमकल विभाग को इसकी सूचना दी गई। आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसे नियंत्रित करने के लिए कई दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। इसके अलावा भुवनेश्वर से एक रोबोटिक फायर फाइटिंग वाहन भी मंगाया गया, जिसे आग बुझाने के काम में लगाया गया। दमकल कर्मी लगातार आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटे रहे।

पेंट गोदाम की वजह से फैली आग..

बताया जा रहा है कि जिस इमारत के पास आग लगी, वहां एक पेंट का गोदाम भी मौजूद था। गोदाम में रखे ज्वलनशील पदार्थों के कारण आग और तेजी से फैल गई। इससे दमकल विभाग को आग बुझाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। घना धुआं और तेज गर्मी के कारण कई हिस्सों तक पहुंचना बेहद कठिन हो गया। दमकल कर्मियों को ऑक्सीजन मास्क पहनकर धुएं से भरे कमरों और गलियारों में प्रवेश करना पड़ रहा है। खराब दृश्यता और अत्यधिक गर्मी के कारण राहत एवं बचाव कार्य काफी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

50 से 60 लाख रुपये आग में जलकर खाक..

रविवार का कारोबार खत्म होने के बाद दिनभर की नकद बिक्री की रकम बाजार में ही रखी गई थी। चूंकि रविवार होने के कारण बैंक बंद थे, इसलिए करीब 50 से 60 लाख रुपये नकद बाजार परिसर में मौजूद थे। व्यापारियों को आशंका है कि यह पूरी रकम आग में जलकर नष्ट हो गई है। जानकारी के अनुसार बाजार में काम करने वाले करीब 17 मछली व्यापारियों को इस हादसे में भारी नुकसान हुआ है। नकदी के अलावा फर्नीचर, व्यापारिक उपकरण, डीप फ्रीजर और अन्य जरूरी सामान भी आग की भेंट चढ़ गए। इस हादसे ने कई व्यापारियों की रोजी-रोटी पर गंभीर असर डाला है और उनका सालों का निवेश कुछ ही घंटों में खत्म हो गया।

आग की चपेट में आई बैंक शाखा..

आग केवल मछली बाजार तक ही सीमित नहीं रही। इसकी लपटें पास स्थित उस इमारत तक भी पहुंच गई, जहां बैंक की एक शाखा संचालित होती है। आग के कारण बैंक शाखा के ऊपरी हिस्से में भी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। बैंक के फर्नीचर और कार्यालय से जुड़े बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने की संभावना है। हालांकि वास्तविक नुकसान का आकलन अभी किया जा रहा है।

घटना के बाद प्रशासन और दमकल विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। बाजार के आसपास कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान और इमारतें मौजूद हैं, इसलिए अधिकारियों की प्राथमिकता आग को अन्य इमारतों तक फैलने से रोकना रही। लगातार प्रयासों के जरिए आग पर नियंत्रण पाने की कोशिश जारी रही।

व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान..

फिलहाल आग लगने के सही कारणों का पता नहीं चल पाया है। स्थिति पूरी तरह सामान्य होने और आग पर पूर्ण नियंत्रण मिलने के बाद विस्तृत जांच शुरू की जाएगी। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि आग किन परिस्थितियों में लगी और इसके पीछे वास्तविक वजह क्या थी।

इस भीषण अग्निकांड ने कटक के व्यापारिक समुदाय को झकझोर कर रख दिया है। मछली बाजार के व्यापारियों को हुए भारी आर्थिक नुकसान के साथ-साथ बैंक और आसपास की संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। प्रशासन अब नुकसान का आकलन करने और आग लगने के कारणों की जांच में जुटने की तैयारी कर रहा है।

म्यांमार में भीषण धमाका, 45 से ज्यादा लोगों की मौत, 100 से ज्यादा घर तबाह..

डेस्क जगप्रेरणा।

म्यांमार में रविवार को एक भीषण धमाका हुआ, जिसमें 45 से ज्यादा लोग मारे गए। घटना नामखाम टाउनशिप के काउंगटुप गांव में हुई। यह जगह उत्तर-पूर्वी म्यांमार के शान राज्य में है, जो चीन सीमा से लगभग 3 किलोमीटर दक्षिण में है।

दोपहर में हुआ धमाके में 45 से 55 लोगों की मौत हो गई। कई रिपोर्ट्स में 46 शव बरामद करने की बात कही गई, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। लगभग 70-74 लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर है। इस धमाके में 100 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। आसपास भारी तबाही हुई है। जानकारी के अनुसार एक इमारत में माइनिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक रखे हुए थे। इनका भंडारण ता'आंग नेशनल लिबरेशन आर्मी के आर्थिक विभाग द्वारा किया जा रहा था। टीएनएलए एक जातीय सशस्त्र समूह है, जो इस क्षेत्र पर नियंत्रण रखता है। धमाके की वजह की जांच चल रही है।

माइनिंग के लिए रखा था विस्फोटक..

टीएनएलए ने बयान जारी कर कहा कि ये विस्फोटक खनन और पत्थर खदान के काम के लिए थे, न कि हथियारों के लिए। यह घटना म्यांमार के अस्थिर इलाके में हुई है,

जहां सैन्य और विभिन्न जातीय सशस्त्र समूहों के बीच संघर्ष जारी है। बचाव कार्य चल रहा है और मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

100 से ज्यादा घरों को नुकसान..

बचावकर्मियों और इंडिपेंडेंट मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रविवार को उत्तर-पूर्वी म्यांमार में एक बिल्डिंग में हुए धमाके में 45 से ज्यादा लोग मारे गए। धमाके की जगह पर पहुंचे एक बचावकर्मी ने बताया कि रविवार शाम तक छह बच्चों समेत 46 लाशें बरामद कर ली गई थीं और उन्हें क्रिमेशन के लिए ले जाया गया। बचावकर्मी ने कहा कि 74 घायल लोगों को टाउनशिप हॉस्पिटल ले जाया गया है और बचाव का काम जारी है। नामखम में एक और बचावकर्मी ने बताया कि करीब 40 लोग मारे गए और धमाके वाली जगह के पास 100 से ज्यादा घरों को नुकसान हुआ है।

इमारतों के मलबे दिखे..

म्यांमार के मीडिया आउटलेट्स ने मरने वालों की संख्या 50 से 55 के बीच बताई। उन्होंने धमाके से निकलता धुआं और उसके बाद टूटी हुई इमारतों और मलबे को दिखाते हुए फोटो और वीडियो पब्लिश किए। चीन के सरकारी ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी ने बताया कि धमाके में कई मौतें हुईं और कई लोग घायल हुए, कई घरों को बहुत नुकसान हुआ, लेकिन उसने कोई आंकड़ा नहीं दिया। उसने कहा कि शुरुआती जांच के मुताबिक, धमाका उस जगह पर हुआ जहां माइनिंग के काम में इस्तेमाल होने वाले बड़ी मात्रा में विस्फोटक रखे गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि लोकल अधिकारी अभी प्रभावित लोगों को राहत, मेडिकल केयर और फिर से बसने में मदद दे रहे हैं।

बागी समूह है टीएनएलए..

जेलिग्नाइट का इस्तेमाल माइनिंग और रॉक ब्लास्टिंग में बहुत ज्यादा होता है, लेकिन समय के साथ और अगर इसे ठीक से स्टोर न किया जाए तो यह बहुत घातक हो सकता है। टीएनएलए बागी थ्री ब्रदरहुड अलायंस का सदस्य है और जब से अलायंस और उसके साथियों ने 2023 के आखिर में उत्तर-पूर्वी म्यांमार में सेना के खिलाफ एक बड़ा हमला किया है, तब से नामखम इलाके पर उसका कंट्रोल है। अलायंस के सदस्य और दूसरे जातीय हथियारबंद ग्रुप लंबे समय से ज्यादा ऑटोनॉमी के लिए लड़ रहे हैं। टीएनएलए ने पिछले साल अक्टूबर में चीन की मध्यस्थता वाली बातचीत के बाद म्यांमार की सेना के साथ सीज़फायर पर साइन किए थे, लेकिन रिश्ते अभी भी तनावपूर्ण हैं। 1 फरवरी, 2021 को सेना द्वारा आंग सान सू की की चुनी हुई सरकार से सत्ता छीनने के बाद से म्यांमार में उथल-पुथल मची हुई है, जिससे बड़े पैमाने पर लोगों का विरोध शुरू हो गया है। शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को जानलेवा ताकत से दबाने के बाद, मिलिट्री शासन के कई विरोधियों ने हथियार उठा लिए, और देश के बड़े हिस्से अब लड़ाई में उलझे हुए हैं।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें.. मो. 9329033433

पति के घर में फंदे से लटका मिला महिला का शव, 18 साल पहले हुई थी शादी..

डेस्क जगप्रेरणा।

हरियाणा के फरीदाबाद के सेक्टर-7 में अपने पति के घर में एक महिला का शव फंदे से लटका हुआ पाया गया। मृतका के मायके वालों ने इसे आत्महत्या मानने से इंकार कर दिया है। उन्होंने महिला के पति, उसकी कथित प्रेमिका और सास-ससुर पर एक सोची-समझी साजिश के तहत हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफमामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ट्यूशन पढ़ाता था दंपति

मृतका की पहचान सविता तेवतिया (37) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सविता की शादी करीब 18 साल पहले उत्तर प्रदेश के जेवर स्थित नगला गांव के रहने वाले संदीप के साथ हुई थी। शादी के बाद से यह परिवार फरीदाबाद के सेक्टर-7 में रह रहा था। सविता और उसका पति संदीप घर पर ही बच्चों को कोचिंग (ट्यूशन) पढ़ाते थे और उनके दो बच्चे भी हैं। मृतका के परिवार का आरोप है कि संदीप का अपनी ही कोचिंग क्लास में आने वाली एक छात्रा के साथ लंबे समय से अवैध संबंध था। परिजनों के मुताबिक, जब यह संबंध शुरू हुआ था तब वह छात्रा नाबालिग थी। समय के साथ दोनों का रिश्ता और गहरा होता गया, जिसे लेकर सविता और संदीप के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। विरोध के बावजूद संदीप ने इस रिश्ते को खत्म नहीं किया। वह लड़की अब एक निजी कंपनी में काम करती है।

'ससुराल वालों ने मिलकर की हत्या'

मृतका के भाई ने इस मौत को पूरी तरह अस्वाभाविक बताते हुए आरोप लगाया है कि सविता की हत्या के पीछे उसके पति, उसकी प्रेमिका और ससुराल वालों की मिलीभगत है। उन्होंने बताया कि वारदात के बाद से ही आरोपी पति संदीप फरार है। भाई ने पुलिस प्रशासन से सभी दोषियों के खिलाफसख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

ससुर ने आरोपों को बताया निराधार..

दूसरी ओर, मृतका के ससुर कैप्टन सुरेंद्र कुमार ने मायके पक्ष द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद बताया है। उनकी दलील है कि घटना के दिन वह, उनकी पत्नी और उनका बेटा संदीप एक रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए उत्तर प्रदेश के जेवर गए हुए थे। ससुर के मुताबिक, घर पर निर्माण कार्य चल रहा था और एक मजदूर वहां काम कर रहा था, इसलिए सविता घर पर अकेली थी। उन्होंने दिन में दो बार सविता से फोन पर बात भी की थी। कुछ घंटे बाद जब मजदूर ने फोन कर बताया कि सविता दरवाजा नहीं खोल रही है, तो उन्होंने एक पड़ोसी को घर भेजा।

पड़ोसी ने जब भीतर जाकर देखा तो सविता का शव फंदे से लटका हुआ था। सोमवार को इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि मृतका के परिवार की लिखित शिकायत के आधार पर पति संदीप, उसके माता-पिता और उसकी कथित प्रेमिका के खिलाफहत्या की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

'वेसाक' त्योहार मना रहे लोगों को पिकअप ने रौंदा, 6 की मौत; 13 घायल..

डेस्क जगप्रेरणा।

श्रीलंका में एक बौद्ध त्योहार के दौरान पिकअप की टक्कर से 6 लोगों की मौत हो गई। घटना में 13 लोग घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक वेसाक त्योहार मना रहे लोगों की भीड़ सड़क किनारे खाने का इंतजार कर रही थी।

इसी दौरान एक पिकअप ने भीड़ में खड़े कई लोगों को टक्कर मार दी। जानकारी के मुताबिक पिकअप चालक नशे में था। घटना के बाद वह फरार हो गया, लेकिन उसे पकड़ लिया गया।

भीड़ में घुसा दी पिकअप..

पुलिस ने बताया कि कोलंबो के बाहरी इलाके में कुछ लोग बौद्ध त्योहार वेसाक मना रहे थे। इस दौरान नशे में धुत एक व्यक्ति ने भीड़ के बीच पिकअप घुसा दी। इस घटना में कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 13 अन्य घायल हो गए। मामला रविवार रात का बताया जा रहा है। यहां कोलंबो के उपनगर मीगोडा में वेसाक उत्सव मनाया जा रहा था। इस दौरान सड़क किनारे खाने के लिए लगी दुकानों पर कुछ लोग इंतजार कर रहे थे, तभी पिकअप ने लोगों को रौंद दिया।

छह लोगों की हुई मौत..

पुलिस के मुताबिक हादसे में 35 से 38 वर्ष की आयु के तीन पुरुषों और 15 से 56 वर्ष की आयु की तीन महिलाओं की मौत हो गई। इस दौरान एक शिशु सहित 13 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस ने बताया कि 42 वर्षीय चालक दुर्घटना के बाद फरार हो गया। हालांकि कुछ दूरी पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उसने शराब का सेवन किया था और गाड़ी चलाते समय वह नशे में था।

क्या है वेसाक पर्व?

बता दें कि वेसाक बौद्ध अनुयायियों का सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व है। यह भगवान बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति और महापरिनिर्वाण की स्मृति में मनाया जाता है। यह हर साल मई में पहली पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस मौके पर पूरे श्रीलंका में, श्रद्धालु मुफ्त भोजन के स्टॉल लगाते हैं, जहां वे लोगों को जलपान और भोजन उपलब्ध कराते हैं, जिससे उत्सव के दौरान भारी भीड़ उमड़ती है।

पटियाला में नीले ड्रम से लड़की का शव मिलने का मामला, बॉयफ्रेंड ने दी थी दर्दनाक मौत, पुल के पास फेंका था..

डेस्क जगप्रेरणा।

पटियाला में नीले ड्रम के अंदर मिली एक युवती की लाश के मामले ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया था। अब इस रहस्यमयी हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने ऐसा खुलासा किया है, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है।

26 मई 2026 की सुबह करीब 6 बजे **DCW** पुल के पास कूड़ा बीनने वाले एक व्यक्ति की नजर एक नीले रंग के ड्रम पर पड़ी। जब उसने ड्रम के अंदर देखा तो उसके होश उड़ गए। ड्रम में एक युवती की लाश पड़ी थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

मृतक की पहचान टैटू से हुई..

मृतक की पहचान उसकी बांह पर बने 'नेहा' नाम के टैटू और बाद में उसके भाई की पहचान के आधार पर हुई। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर कई टीमों का गठन किया और **CCTV** फुटेज, कॉल डिटेल्स, टावर लोकेशन और तकनीकी जांच के जरिए आरोपी तक पहुंचने में सफलता हासिल की। जांच के दौरान पुलिस ने 29 मई को विराट कश्यप नामक युवक को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में जो सच सामने आया, वह बेहद चौंकाने वाला था। पुलिस के अनुसार, नेहा और विराट पिछले करीब डेढ़ साल से रिलेशनशिप में थे। नेहा लगातार विराट पर शादी करने का दबाव बना रही थी। इसी बात को लेकर 25 मई की रात दोनों के बीच तीखी बहस हुई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर विराट ने नेहा का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने अपने जुर्म को छिपाने के लिए शव को एक नीले रंग के ड्रम में बंद किया, वाहन का इंतजाम किया और देर रात उसे **DCW** पुल के पास फेंक दिया, ताकि किसी को उस पर शक न हो।

लेकिन कहते हैं कि कानून के हाथ लंबे होते हैं। पुलिस की तेज और तकनीकी जांच के सामने आरोपी ज्यादा देर तक बच नहीं पाया और आखिरकार सलाखों के पीछे पहुंच गया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड हासिल करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने में जुटी हैं कि हत्या और शव ठिकाने लगाने में किसी अन्य व्यक्ति की मदद तो नहीं ली गई थी।

जन्मदिन समारोह में चली गोली से महिला की मौत, चोरी-छिपे अंतिम संस्कार का प्रयास विफल..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

मध्यप्रदेश के ग्वालियर शहर में एक जन्मदिन समारोह के दौरान हुई गोलीबारी में 32 वर्षीय एक महिला की कथित तौर पर मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिला के परिवार ने पुलिस को सूचित करने के बजाय शव को 'डीप फ्रीजर' में रख दिया और फिर फरार हो गए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयराज कुबेर ने संवाददाताओं को बताया कि यह घटना रविवार को थाटीपुर थाना क्षेत्र के तृप्ति नगर में हुई। उन्होंने बताया कि मनोज कुशवाहा नाम के एक व्यक्ति के बेटे का जन्मदिन मनाया जा रहा था कि तभी उसके छोटे भाई योगेश कुशवाहा ने तमंचे से जश्न में कथित तौर पर गोली चला दी। अधिकारी ने बताया कि जश्न के दौरान चलाई गई एक गोली मनोज की पत्नी ज्योति कुशवाह के सिर में लग गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कुबेर ने बताया कि परिवार ने पुलिस को सूचित किए बिना घटना को छिपाने की कथित तौर पर कोशिश की।

उन्होंने बताया कि मनोज कुशवाह ने एक 'डीप फ्रीजर' की व्यवस्था की और उसमें ज्योति के शव को रखा। अधिकारी ने बताया कि परिवार ने रात के समय अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी। कुबेर ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस कुशवाहा के घर पहुंची तो परिवार के अन्य सदस्य शव छोड़कर मौके से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया जबकि फरार परिजनों की तलाश की जा रही है।

पुलिस गोलीबारी में कथित तौर पर इस्तेमाल किये गये तमंचे के स्रोत की भी जांच कर रही है।

अवैध संबंध के शक में युवक की हत्या कर शव के टुकड़े किये, पति-पत्नी गिरफ्तार..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक युवक की हत्या कर शव के टुकड़े करने और सबूत मिटाने के लिए अवशेष जलाने के आरोप में पुलिस ने पति-पत्नी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने अवैध संबंध से जुड़े इस सनसनीखेज हत्याकांड को सुलझाने का दावा किया।

पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान विजय निषाद के रूप में हुई है और वह फतेहपुर जिले के टिकरा गांव का रहने वाला था। पुलिस ने बताया कि उसका पड़ोस में रहने वाली किरण देवी से करीब एक साल से प्रेम संबंध था। फतेहपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि किरण का पति कामता प्रसाद निषाद गुजरात में काम करता था और पत्नी के संबंध की जानकारी मिलने पर वह हाल ही में गांव लौटा था। उन्होंने बताया कि इसके बाद दंपति ने विजय की हत्या की साजिश रची।

पुलिस के अनुसार, आठ मई को किरण ने विजय को मिलने के बहाने अपने घर बुलाया और पहले से मौजूद कामता ने लकड़ी के तख्ते से विजय के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि हत्या के बाद दंपति ने कटर मशीन व आरी से शव के टुकड़े किए और फिर शव को काजंगल में ले जाकर जलाने की कोशिश की हालांकि, शव पूरी तरह नहीं जल सका।

पुलिस के मुताबिक, विजय के पिता इंद्रपाल निषाद ने 11 मई को बकेवर थाने में बेटे की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई और मामले की जांच में पुलिस को विजय और किरण के संबंधों का पता चला। पुलिस ने बताया कि हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर दंपति ने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घाटमपुर से विजय की मोटरसाइकिल और कानपुर के जंगल से आंशिक रूप से जले कंकाल के अवशेष, कपड़े, जूते, पैन कार्ड व एटीएम कार्ड बरामद कर लिये।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

भुमेश्वर धमगाये गोरेगांव

मो. 9637631171

कबाड़ से कमाल: 10वीं के छात्र ऋषभ ने बनाया 'आरसी ट्रैक्टर'

मिक्सर के गियर और बाइक की चेन से धुरी तंत्र विकसित कर आमगांव के छात्र ने पेश की 'वेस्ट टू बेस्ट' की अनूठी मिसाल, बनना चाहते हैं मैकेनिकल इंजीनियर..

जगप्रेरणा आमगांव।

कहा जाता है कि प्रतिभा किसी संसाधनों की मोहताज नहीं होती, वह केवल दृढ़ संकल्प और कल्पनाशक्ति की कगार पर जन्म लेती है। इस उक्ति को धरातल पर सच कर दिखाया है

महाराष्ट्र के गोंदिया जिला अंतर्गत लांजी रोड, आमगांव निवासी कक्षा दसवीं के छात्र रिषभ लखनलाल हरिनखेड़े ने। ऑटोमोबाइल क्षेत्र के प्रति अपने अगाध अनुराग और तकनीकी सूझबूझ का परिचय देते हुए ऋषभ ने 'वेस्ट टू बेस्ट' (कबाड़ से कमाल) की अवधारणा को साकार किया है। उन्होंने घर में बिखरे बेकार प्लास्टिक, रबर और अनुपयोगी वस्तुओं का पुनर्चक्रण (रिसाइक्लिंग) कर दो बेहद जीवंत, हूबहू असली दिखने वाले और पूरी तरह कार्यात्मक रिमोट-कंट्रोल ट्रैक्टर मॉडल का निर्माण कर सबको हतप्रभ कर दिया है।

शून्य से सृजन: विस्मयकारी 'स्क्रैच इंजीनियरिंग' : यह मॉडल महज बच्चों के खेलने का कोई खिलौना नहीं, बल्कि व्यावहारिक ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग का एक जीता-जागता उत्कृष्ट दस्तावेज है। ऋषभ ने असल दुनिया की मैकेनिक्स को बारीकी से समझने के लिए इन शानदार मॉडलों को किसी तैयार किट के बिना, बिल्कुल शून्य (स्क्रैच) से निर्मित किया है। उनकी इस अनूठी 'कबाड़ इंजीनियरिंग' की कुछ तकनीकी और बारीक विशेषताएं इस प्रकार हैं:

मजबूत चेसिस (बॉडी फ्रेम): ट्रैक्टर के मुख्य ढांचे को घर में बेकार पड़े पीवीसी **(PVC)** पाइपों को तराशकर और आपस में जोड़कर तैयार किया गया है। **पहिए (टायर):** ट्रैक्टर के भारी-भरकम टायरों को पूरी तरह से खराब हो चुके अनुपयोगी रबर की मदद से ढाला गया है।

कस्टम स्टीयरिंग सिस्टम: ऑटोमोटिव मैकेनिक्स पर अपनी स्वाभाविक पकड़ को साबित करते हुए वृषभ ने मोटरसाइकिल की पुरानी इंजन चेन और मात्र 50 रू. की एक मामूली गियर मोटर को संयोजित करके एक बेहतरीन स्टीयरिंग प्रणाली डिज़ाइन की है।

वर्किंग डिफरेंशियल मैकेनिज्म (धुरी तंत्र): इस पूरे मॉडल का सबसे जटिल और चमत्कारी हिस्सा इसका धुरी तंत्र है। वृषभ ने रसोईघर की एक पुरानी ग्राइंडिंग (मिक्सर/ग्राइंडर) मशीन के गियर का दोबारा इस्तेमाल करके ट्रैक्टर का वर्किंग डिफरेंशियल मैकेनिज्म तैयार कर दिया, जो इसे सुगमता से मुड़ने की शक्ति देता है।

पर्यावरण संरक्षण और नवाचार का अनुपम संदेश : बैटरी से संचालित वृषभ का यह रिमोट-कंट्रोल ट्रैक्टर मॉडल जमीनी स्तर के नवाचार (घास फूस के आविष्कार) का एक अप्रतिम उदाहरण पेश करता है। यह उपलब्धि यह संदेश देती है कि यदि दृष्टिकोण रचनात्मक हो, तो निरर्थक समझा जाने वाला कबाड़ भी एक अनमोल कृति में परिवर्तित हो सकता है। यह प्रयास पर्यावरण संरक्षण और रीसाइक्लिंग की दिशा में भी युवा पीढ़ी के लिए एक महान मार्गदर्शक है।

भविष्य का मैकेनिकल इंजीनियर, क्षेत्र में हर्ष की लहर : के के इंग्लिश प्रायमरी कक्षा दसवीं के इस बाल वैज्ञानिक की इस विस्मयकारी उपलब्धि से उनके माता-पिता, परिजन, विद्यालय परिवार और संपूर्ण गोंदिया जिला अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

भविष्य में एक उच्च कोटि का 'मैकेनिकल इंजीनियर' बनने का सपना संजोए रिषभ की इस अप्रतिम सूझबूझ और कड़ी मेहनत की हर तरफसराहना हो रही है। क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और शुभचिंतकों ने वृषभ के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें ऐसे ही रचनात्मक एवं वैज्ञानिक उपक्रमों के माध्यम से देश का नाम रोशन करने के लिए असीम शुभकामनाएं दी हैं।

अमित शाह के 'वनवासी' शब्द का आदिवासी समाज द्वारा तीव्र विरोध..

देवरी में उपविभागीय अधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन

बिरसा ब्रिगेड और मिशन सिंधुभारत आदिवासी बचाओ आंदोलन का एल्गार; संवैधानिक और सांस्कृतिक पहचान को खतरे में डालने का प्रयास करने का आरोप..

जगप्रेरणा देवरी।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा दिल्ली में एक जनजातीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान आदिवासी समाज को 'वनवासी' कहे जाने के विरोध में पूर्वी विदर्भ के देवरी में आदिवासी समाज द्वारा तीव्र आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है।

'बिरसा ब्रिगेड - मिशन सिंधुभारत आदिवासी बचाओ आंदोलन (पूर्वी विदर्भ)' के नेतृत्व में आज, 1 जून 2026 को देवरी के उपविभागीय अधिकारी **(SDO)** के माध्यम से भारत के प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष और भारत के मुख्य न्यायाधीश को एक विस्तृत एवं सार्वजनिक ज्ञापन सौंपा गया।

आदिवासी प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि गृहमंत्री अमित शाह द्वारा दिल्ली के कार्यक्रम में आदिवासी समाज को 'वनवासी' कहकर संबोधित करने से पूरे आदिवासी समाज की भावनाएं आहत हुई हैं और इस बयान की सार्वजनिक रूप से निंदा की जाती है। 'आदिवासी' शब्द केवल एक सामाजिक पहचान नहीं है, बल्कि यह हमारे हजारों साल के इतिहास, संस्कृति, परंपरा, भाषा और इस भूमि के साथ प्राचीन संबंधों का प्रतीक है।

देश के करोड़ों अनुसूचित जनजाति के नागरिक खुद को गर्व से 'आदिवासी' मानते हैं। ऐसे में उन्हें जानबूझकर 'वनवासी' कहकर उनकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को सीमित करने तथा उसकी पुनर्व्याख्या करने का प्रयास किए जाने का गंभीर आरोप प्रदर्शनकारियों ने लगाया है।

संविधान का हवाला देते हुए ज्ञापन में आगे स्पष्ट किया गया है कि भारत का संविधान अनुसूचित जनजातियों की विशिष्ट पहचान, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा करने का दायित्व राज्य (सरकार) पर सौंपता है। संविधान का अनुच्छेद 46, पांचवीं अनुसूची और अन्य संवैधानिक प्रावधान आदिवासी समुदाय के संरक्षण और विकास की पूरी गारंटी देते हैं। इसलिए, किसी भी सार्वजनिक या संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को ऐसे शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए जो समाज की स्वीकार्य सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान को मिटाते हों।

धार्मिक 'डिलिस्टिंग' का भी कड़ा विरोध:

प्रदर्शनकारियों ने धार्मिक 'डिलिस्टिंग' **(Delisting)** के चल रहे प्रयासों पर भी कड़ा एतराज जताया है। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया है कि आदिवासियों की जीवन शैली पूरी तरह से प्रकृति पर आधारित है और उनका किसी विशिष्ट धार्मिक पहचान से संबंध नहीं है। इसलिए आदिवासियों का धार्मिक डिलिस्टिंग करना पूरी तरह से अवैध और असंवैधानिक है। प्रशासन को यह भी याद दिलाया गया कि विभिन्न न्यायिक निर्णयों और ऐतिहासिक अध्ययनों में आदिवासियों को भारत का मूल निवासी **(Indigenous People)**माना गया है।

प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांगें..

1. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आदिवासी समाज को 'वनवासी' कहने के मामले में तत्काल आधिकारिक स्पष्टीकरण दें। 2. भारत सरकार के सभी मंत्रालय, विभाग और सरकारी दस्तावेजों में केवल संविधान-सम्मत 'अनुसूचित जनजाति' **(Scheduled Tribe)** या 'आदिवासी' शब्द का ही प्रयोग अनिवार्य करें। 3. आदिवासी समाज की ऐतिहासिक और सामाजिक पहचान का सम्मान बनाए रखा जाए और उनके खिलाफ किसी भी प्रकार की अपमानजनक या भ्रामक टिप्पणी न की जाए। 4. राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग इस पूरे मामले का स्वतः संज्ञान लेकर आदिवासियों की भावनाओं की रक्षा के लिए आवश्यक कानूनी कार्रवाई करे। 5. भविष्य में कोई भी सरकारी अधिकारी या जनप्रतिनिधि आदिवासियों की संवैधानिक पहचान को विकृत करने वाले शब्दों का प्रयोग न करे, इसके लिए कड़े नियम लागू किए जाएं।

इस ज्ञापन की प्रतिलिपि महाराष्ट्र के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, आदिवासी विकास मंत्री और गोंदिया के जिला कलेक्टर को भी उचित कार्रवाई के लिए भेजी गई है। मांगें पूरी न होने पर आदिवासी समाज ने आंदोलन को और तेज करने की चेतावनी दी है। ज्ञापन सौंपते समय मधु दिहारी, लोकेश ताराम, सावंत राउत, इसनलाल राउत, शोभलाल नाईक, सुभाष मेश्राम, शीलाताई मारगाये, प्रेमलाल कोरेटी, मनोहर मडावी, रूपेश राउत, मनोहर राउत, सचिन मेळे, प्रह्लाद सलामे सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारी और आदिवासी भाई बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बोपाबोडी गांव में दो बाल विवाह रोकने में प्रशासन को सफलता..

जगप्रेरणा गोंदिया।

डुग्गीपार पुलिस स्टेशन से मिली गुप्त सूचना के आधार पर जिला कलेक्टर डॉ. मंगेश गोंदावले, पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे तथा जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी तुषार पौनिकर के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने 29 मई 2026 को सड़क

अर्जुनी तहसील के बोपाबोडी गांव में होने वाले दो बाल विवाह समय रहते रोक दिए। इस कार्रवाई में जिला बाल संरक्षण अधिकारी गजानन गोबाडे, इंडियन सोशल वेलफेयर सोसायटी के जिला समन्वयक ज्ञानेश्वर पटले, दामिनी पथक और डुग्गीपार पुलिस स्टेशन की टीम शामिल थी। डुग्गीपार पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक श्री निर्वाण और जिला बाल संरक्षण कक्ष के संरक्षण अधिकारी मुकेश पटले ने स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाकर प्रशासन को समय पर सतर्क किया।

बोपाबोडी गांव के ग्रामसेवक और सरपंच से नाबालिग बच्चों के आयु प्रमाण प्राप्त किए गए। दस्तावेजों की जांच में पता चला कि दोनों बच्चों की आयु बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अनुसार विवाह के लिए निर्धारित उम्र से कम थी। बाल कल्याण समिति की सदस्य जयश्री कापगते और परामर्शदाता पूजा डोंगरे ने दोनों परिवारों से बातचीत कर उन्हें समझाया तथा बच्चों की शिक्षा के महत्व पर परामर्श दिया, जिससे बाल विवाह रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। संयुक्त टीम विवाह स्थल पर पहुंची और दोनों पक्षों के परिवारों को ग्राम पंचायत बोपाबोडी में बुलाया। वहां सरपंच, उपसरपंच, ग्रामसेवक, आंगनवाड़ी सेविका, आशा कार्यकर्ता और ग्राम बाल संरक्षण समिति के सदस्यों की मौजूदगी में बाल विवाह के दुष्परिणाम और कानूनी सजा के प्रावधान समझाए गए। साथ ही अभिभावकों से लिखित आश्वासन लिया गया कि लड़की की आयु 18 वर्ष और लड़के की आयु 21 वर्ष पूरी होने से पहले विवाह नहीं कराया जाएगा। दामिनी पथक और इंडियन सोशल वेलफेयर सोसायटी जैसी सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से यह कार्रवाई सफल रही।

प्रशासन ने सामाजिक कार्यकर्ताओं से बाल विवाह रोकने के लिए जानकारी देने की अपील की है और कहा है कि बच्चों का बचपन बचाना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत महाराष्ट्र में 'आपला संकल्प' अभियान चलाया जा रहा है और प्रशासन के साथ मिलकर बाल विवाह मुक्त गोंदिया बनाने का आह्वान किया गया है।

जिला बाल संरक्षण कक्ष, इंडियन सोशल वेलफेयर सोसायटी, बोपाबोडी ग्राम पंचायत और आशा कार्यकर्ताओं की संयुक्त निगरानी में बच्चों का आगे भी पालन-पोषण और मार्गदर्शन किया जाएगा। इस कार्रवाई में जिला बाल संरक्षण कक्ष के संरक्षण अधिकारी रविंद्र टेभुर्णे, क्षेत्रीय कार्यकर्ता धर्मेंद्र भेलावे, आईएसडब्ल्यूएस के कुथेकर और दामिनी पथक की पूरी टीम उपस्थित रही।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में एक भी बाल विवाह नहीं होने दिया जाएगा। कानून तोडने़ वाले व्यक्तियों, अभिभावकों, रिश्तेदारों, पुजारियों, मंगल कार्यालय मालिकों और बाल विवाह में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नागरिकों से अपील की गई है कि यदि कहीं बाल विवाह की जानकारी मिले तो तुरंत चाइल्डलाइन 1098, पुलिस हेल्पलाइन 112, जिला बाल संरक्षण कक्ष, नजदीकी पुलिस स्टेशन या इंडियन सोशल वेलफेयर सोसायटी को सूचना दें। यह अपील जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, गोंदिया ने की है।

जिले के 7 पुलिस निरीक्षकों का स्थानांतरण, विशेष पुलिस महानिरीक्षक का पत्र..

जगप्रेरणा आमगांव।

पुलिस स्थापना मंडल क्रमांक 2 ने प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्धारित अवधि पूर्ण कर चुके राज्य के 169 पुलिस निरीक्षकों के स्थानांतरण को मंजूरी दे दी है, जिसमें गोंदिया जिले से 7 पुलिस निरीक्षकों का अन्यत्र स्थानांतरण किया गया है।

विशेष पुलिस महानिरीक्षक (स्थापना) द्वारा जारी पत्र के अनुसार, यह कार्रवाई की गई है. जिसमें गोंदिया जिले के देवरी थाने के पुलिस निरीक्षक प्रवीण गोविंद डांगे को भंडारा जिले में स्थानांतरित किया गया है, जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कार्यरत नंदिनी विनायकराव चानपुरकर को पुलिस उप महानिरीक्षक नागपुर में स्थानांतरित किया गया है, जबकि योगिता सुभाषराव चाफले को चंद्रपुर जिले में स्थानांतरित किया गया है। वहीं गोरेगांव पुलिस निरीक्षक चंद्रकांत राजमल काले को नागपुर ग्रामीण, गोंदिया शहर थाने के पुलिस निरीक्षक किशोर जयवंत पर्वते को एसीबी विभाग, सालेकसा पुलिस निरीक्षक भूषण यादोराव बुराडे को नागपुर ग्रामीण और स्थानीय अपराध शाखा पुलिस निरीक्षक पुरूषोत्तम शत्रुघ्न अहेरकर को यवतमाल जिले में स्थानांतरित किया गया है। इस बीच, उक्त पत्र में कहा गया कि वैकल्पिक व स्थानांतरित अधिकारियों की प्रतीक्षा किए बगैर स्थानांतरित अधिकारियों को तत्काल कार्यमुक्त किया जाए।

प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप में जोड़ा जा सकता है।

गोंदिया पुलिस डायरी।।

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो। 9922607145

घर मे घुसकर की मारपीट मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के गंगाझरी पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 30/5/2026 के रात 9 बजे के दरम्यान कोहका मे फर्यादी हितेश भाऊराव दमाहे उम्र 32 वर्ष निवासी कोहका अपने घर की छपरी मे बैठा था। जहा चारो आरोपी ने पुराने विवाद पर घर मे घुसकर लकड़ी से मारपीट की और गालीगलौच कर आगे देख लेने की धमकी देने से दिये शिकायत पर पोस्टे गंगाझरी मे अपराध क्रमांक 268/2026 धारा 118, 1, 296, 332, सी,351,2,3,5, भान्यास 2026 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच सफौ अनिल पारधी 671 पोस्टे गंगाझरी कर रहे है।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता

रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस

मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 9890696200

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
संजीव बापट गोंदिया
मो. 9922607145

जग प्रेरणा
गोंदिया भंडारा
● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेंन्ट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

सज गया गोंदिया भंडारा विधान परिषद का चुनावी रण, योद्धाओं ने ठोकी ताल..

महायुति और महाविकास आघाड़ी के दिग्गजो की उपस्थिति मे अविनाश ब्राह्मणकर, प्रफुल अग्रवाल, दिलीप बंसोड़ और नरेश ईश्वरकर ने जमा किया नामांकन..

जगप्रेरणा गोंदिया।

आखिरकार वह दिन भी आ गया कि जब चुनावी नामांकन फॉर्म भरे जाने के अंतिम दिन गोंदिया भंडारा विधान परिषद चुनाव की तस्वीर साफ हो गई, तथा गोंदिया भंडारा विधान परिषद के चुनावी रण में योद्धाओं के ताल ठोंकने के साथ ही चुनावी रण भी सज ही गया। आज 01 जून को नामांकन फॉर्म भरे जाने के अंतिम समय से पूर्व भाजपा, राष्ट्रवादी और शिवसेना

महायुति के उम्मीदवार अविनाश ब्राह्मणकर ने गोंदिया भंडारा विधान परिषद चुनाव में उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन फॉर्म भरा, वहीं महाविकास आघाड़ी उम्मीदवार के रुप में कांग्रेस समर्थित और अधिकृत कांग्रेस उम्मीदवार के रुप में प्रफुल अग्रवाल, पूर्व विधायक दिलीप बंसोड़ और भंडारा जिला परिषद के सभापति नरेश ईश्वरकर ने अपना चुनावी नामांकन फॉर्म जमा किया।

सांसद प्रफुल पटेल, परिणय फुके के नेतृत्व में भरा महायुति उम्मीदवार अविनाश ब्राह्मणकर ने अपना नामांकन फॉर्म..

गौरतलब है कि आज भंडारा में महायुति उम्मीदवार के रुप में गोंदिया भंडारा विधान परिषद क्षेत्र से सांसद प्रफुल पटेल के नेतृत्व में तथा विधायक डॉ. परिणय फुके, विधायक विनोद अग्रवाल, विधायक विजय राहंगडाले, विधायक संजय पुराम, विधायक राजकुमार बडोले, विधायक राजु कारेमोरे, पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन, पूर्व सांसद सुनिल मेंढे, भंडारा डिस्ट्रीक्ट सेन्ट्रल को ऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष सुनिल फुंडे, गोंदिया जिला परिषद के अध्यक्ष लायकराम भेंडारकर आदि अनेक स्थानीय नेताओं की उपस्थिति में अविनाश ब्राह्मणकर ने अपना चुनावी नामांकन फॉर्म जमा किया।

विधायक व पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के नेतृत्व में कांग्रेस समर्थित व कांग्रेस उम्मीदवार ने जमा किये नामांकन..

गौरतलब है कि गोंदिया भंडारा विधान परिषद के चुनाव में महाविकास आघाड़ी की ओर से पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के नेतृत्व में फिलहाल तीन उम्मीदवारों ने अपना नामांकन फॉर्म भरा है। इन तीन उम्मीदवारों में प्रफुल गोपालदास अग्रवाल, पूर्व विधायक दिलीप बंसोड़ तथा भंडारा जिला परिषद के सदस्य नरेश ईश्वरकर का नाम है। कांग्रेस व कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार के रुप में उम्मीदवारों के नामांकन फॉर्म जमा करने के दौरान प्रमुख रुप से सांसद प्रशांत पडोले, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, गोंदिया नगर परिषद अध्यक्ष सचिन शेंडे, अशोक (गप्पु) गुप्ता एवं अन्य कांग्रेस नेता भी उपस्थित थे।

अलग रणनीति से भाजपा को मात देने की कांग्रेस की एक कोशिश..

गौरतलब है कि गोंदिया भंडारा विधान परिषद चुनाव में हालांकि पार्टीगत मतों की संख्या के अनुरुप विधान परिषद चुनाव जीतना महायुति उम्मीदवार के लिये आसान हो सकता है लेकिन यह तब जबकि महायुति उम्मीदवार को चुनाव जिताने के लिये भाजपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पूरी ताकत से लड़ती है तो। जबकि विधान परिषद चुनाव के संदर्भ में ऐसा माना जाता है और यह दावे भी किये जाते हैं कि विधान परिषद चुनाव धनबल के मजबूत आधार पर निर्भर करता है, और बड़ी होशियारी से चुनाव को अपने पक्ष में करने का प्रयास किया जाता है। राजनीतिक परिस्थितियों के चलते कांग्रेस की अपनी रणनीति इसी धन बल की निर्भरता में सेंध लगाकर भाजपा को शिकस्त देने का हो सकता है, जिसके लिये कांग्रेस ने तीन उम्मीदवार मैदान में उतारकर एक तरह से भाजपा को मात देने के लिये अलग रणनीति तैयार की है। सूत्रों की मानें तो प्रफुल अग्रवाल ने कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार के रुप में नामांकन फॉर्म जमा किया है, कांग्रेस समर्थित का मतलब है कि प्रफुल अग्रवाल ने अपक्ष उम्मीदवार के रुप में नामांकन जमा किया है, जबकि वहीं कांग्रेस की ओर से अन्य दो उम्मीदवारों ने भी नामांकन जमा किये हैं, तथा इन तीन नामों में से यदि प्रफुल अग्रवाल मैदान में होंगे तो इस आधार पर कि वे अपक्ष उम्मीदवार के रुप में भाजपा के वोटबैंक में सेंध लगाने में कामयाब हो, जबकि वहीं यदि प्रफुल अग्रवाल कदम पीछे लेते हैं तो इस स्थिति में नाना पटोले ने भाजपा को चुनौती देने के लिये दिलीप बंसोड़ और नरेश ईश्वरकर को भी मैदान में उतार दिया है। जिससे दो बातें स्पष्ट है कि प्रथम तो चुनाव में दोनों पक्षों से उम्मीदवार होंगे और चुनाव अपने तौर तरीके से संपन्न होगा, जबकि वहीं यदि प्रफुल अग्रवाल मैदान में टिके रहे तो इस स्थिति में दिलीप बंसोड़ और नरेश ईश्वरकर नाम वापस लेंगे, तथा इसके बाद फिर भाजपा राष्ट्रवादी के वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिशों के साथ चुनाव अपने अंजाम की ओर बढ़ाया जायेगा। गौरतलब है कि चुनावी नामांकन फॉर्म भरने के बाद अब नाम वापसी का समय 04 जून निर्धारित है, ऐसे में देखना होगा कि चुनावी नामांकन फॉर्म भरने तक विधान परिषद चुनाव में कितनी रोचकता कितनी ताकत से कौन बनाकर रख सकता है, तथा इस चुनाव में प्रतिस्पर्धा से राजनीति किस दिशा और दशा की ओर अग्रसित होगी, यह भी देखने वाली बात होगी।

नागपुर में आयोजित भव्य समारोह में सहयोग समूह संस्थापक

जयेश रमन रामादे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के हाथों 'बिजनेस एक्सीलेंस अवॉर्ड' से सम्मानित

जयेश रमन रामादे बने उद्यमिता और सामाजिक परिवर्तन की मिसाल..

जगप्रेरणा गोंदिया।

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, नागपुर में आयोजित बिजनेस कॉन्क्लेव नागपुर 2026 में सहयोग समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष श्री जयेश रमन रामादे की प्रेरणादायी सफलता की कहानी चर्चा का केंद्र रही। उद्यमिता, सामाजिक सेवा, वित्तीय समावेशन और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय

योगदान के लिए उन्हें 'बिजनेस एक्सीलेंस अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान भारत सरकार के केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के कर-कमलों द्वारा प्रदान किया गया। केन्द्रिय मंत्री श्री गडकरी ने शॉल, स्मृति-चिन्ह और प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर जयेश रामादे को सम्मानित किया।

बोले नितिन गडकरी..

कार्यक्रम के दौरान केन्द्रिय मंत्री श्री नितिन गडकरी ने श्री जयेश रमन रामादे के नेतृत्व की विशेष सराहना करते हुए कहा कि सहयोग समूह की सफलता का आधार उसकी विश्वसनीयता, ईमानदारी और पारदर्शी कार्यप्रणाली है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में किसी भी संस्था की सबसे बड़ी पूंजी उसकी क्रेडिबिलिटी, गुडविल, ईमानदारी और पारदर्शिता होती है। गडकरी ने सहयोग समूह को सहकारिता और सामाजिक विकास के क्षेत्र में एक

प्रेरणादायी मॉडल बताते हुए कहा कि संस्था ने जनविश्वास अर्जित कर उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है।

बोले जयेश रामादे..

बिजनेस कॉन्क्लेव में अपने संबोधन के दौरान श्री जयेश रमन रामादे ने कहा कि व्यवसाय में सफलता का सबसे बड़ा मंत्र फोकस, स्पष्ट लक्ष्य, अनुशासन और कड़ी मेहनत है। उन्होंने युवाओं से नौकरी खोजने के बजाय रोजगार सृजन की सोच अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि उद्यमिता समाज और राष्ट्र के विकास का सशक्त माध्यम है। श्री रामादे ने यह भी कहा कि बहानों को छोड़कर आत्मविश्वास, अनुशासन और कड़ी मेहनत के साथ आगे बढ़ना ही सफलता का वास्तविक मार्ग है।

संघर्ष से सफलता की ओर जयेश रामादे..

गौरतलब है कि गोंदिया जिले के एक साधारण परिवार से राष्ट्रीय स्तर तक का सफर तय करने वाले जयेश रमन रामादे संघर्ष, संकल्प और मेहनत की मिसाल हैं। वर्ष 2003 में उन्होंने अपने व्यवसायिक जीवन की शुरुआत की और 2004 में सूरज निर्माण बहुउद्देशीय संस्था की स्थापना कर ग्रामीण एवं जरूरतमंद लोगों के विकास के लिए कार्य शुरू किया। बाद में सहयोग मल्टीस्टेट क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी के माध्यम से उन्होंने वित्तीय समावेशन और ग्रामीण विकास को नई दिशा दी। आज सहयोग समूह भारत के छह राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों में 250 से अधिक बैंकिंग सेवा केंद्र, तीन अस्पताल और पांच विद्यालय संचालित कर रहा है। समूह के माध्यम से 15 लाख से अधिक खाताधारकों, जिनमें 9 लाख से अधिक महिलाएं शामिल हैं, को सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। वहीं 5 लाख से अधिक ग्रामीण महिलाएं समूह से जुड़कर आर्थिक आत्मनिर्भरता और स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। 30,000 से अधिक महिला स्वयंसेवकों का यह नेटवर्क महिलाओं को वित्तीय साक्षरता, बचत, निवेश और स्वरोजगार के लिए प्रेरित करता है। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी समूह महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। गोंदिया स्थित 100 बेड का सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, विभिन्न सीबीएसई विद्यालय तथा शिक्षा से वंचित बच्चों के लिए संचालित 89 सेल्फलर्निंग सेंटर समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। श्री रामादे का मानना है कि महिला सशक्तिकरण, शिक्षा और स्वास्थ्य ही समाज के समग्र विकास की आधारशिला हैं। समारोह में श्री जयेश रमन रामादे को ÷बिजनेस एक्सीलेंस अवॉर्ड÷, उनकी संघर्ष से सफलता तक की यात्रा आज युवाओं और उद्यमियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है, जो यह संदेश देती है कि दृढ़ संकल्प, ईमानदारी और निरंतर प्रयास से असाधारण सफलता प्राप्त की जा सकती है।

9 वर्षीय अरा शाह ने अंतरराष्ट्रीय एबेकस ओलंपियाड में हासिल की 'सुपरस्टार' रैंक

जगप्रेरणा गोंदिया।

हैदराबाद में 31 मई 2026 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय एबेकस ओलंपियाड परीक्षा में 9 वर्षीय प्रतिभाशाली छात्रा सुश्री अरा शाह ने सर्वोच्च 'सुपरस्टार' रैंक प्राप्त कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

अरा शाह ने अपनी असाधारण मानसिक गणना क्षमता और तेज़ संख्यात्मक गणनाओं के दम पर यह सम्मान अर्जित किया। उन्होंने ऑनलाइन तथा ऑफ्लाइन, दोनों श्रेणियों की परीक्षाओं में सुपरस्टार रैंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में अरा ने मात्र 6 मिनट में 2-अंकीय गुणा तथा 4-अंकीय जोड़ एवं घटाव से संबंधित 100 प्रश्नों को हल किया और 100 में से 100 अंक प्राप्त कर अपनी अद्वितीय प्रतिभा का परिचय दिया। अरा अपने पिछले सभी स्तरों में भी तेज़ एवं सटीक गणनाओं के लिए लगातार पुरस्कार और सम्मान प्राप्त करती रही हैं। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार और शिक्षकों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण है। उनकी इस शानदार सफलता पर परिवारजनों, शिक्षकों तथा शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com